क्यों न ओबीसी आरक्षण से जुड़े मामलों को मध्य प्रदेश हाईकोर्ट वापस भेज दिया जाए

सुप्रीम कोर्ट ने कहा, आज फिर होगी सुनवाई

जबलपुर। राज्य में ओबीसी आरक्षण बढ़ाकर 27 फ़ीसदी करने के मामले में बुधवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई टल गई। मध्य प्रदेश सरकार ने आरक्षण के प्रकरणों पर बहस के लिए फिर से समय देने का निवेदन किया। इस पर सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस पी नरसिम्हा की अध्यक्षता वाली बेंच ने कहा कि क्यों न समस्त अंतरिम आदेश वैकेट कर इन मामलों को अंतिम बहस के लिए मध्य प्रदेश हाईकोर्ट को वापस भेज दिया जाए। कोर्ट ने प्रकरणों को 9 अक्टूबर को पुनः सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया। सुप्रीम कोर्ट ने तेलंगाना राज्य के 42 परसेंट रिजर्वेशन की याचिकाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि विधान सभा के बनाए गए कानून का उस राज्य की जनसंख्या, भूगोलिक, सामाजिक परिस्थितियों के अंतर्गत परीक्षण हाईकोर्ट करेगी। सुनवाई के दौरान सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता, मध्य प्रदेश के एडवोकेट जनरल प्रशांत सिंह, एडिशनल सॉलिसिटर जनरल केएम नटराज और स्पेशल काउंसिल एडवोकेट शशांक रतनू सरकार की ओर से मौजूद थे। इन्होंने बहस के लिए समय मांगा। इस पर कोर्ट ने कहा कि आप फिर वक्त मांगेंगे तो और समय जाएगा। दिक्कतें बढ़ेंगी। अगले हफ्ते दीवाली है, छुट्टियां हैं। कोर्ट ने कहा, हम ये चाहते हैं कि ये मैटर हाईकोर्ट के फैसले के बाद हमारे पास आए। सुप्रीम कोर्ट में ट्रांसफर पिटीशन पहुंची हैं। इस मामले में हाईकोर्ट का कोई फैसला नहीं हैं। कोर्ट ने यह भी कहा कि जिस तरह छत्तीसगढ़ में अंतरिम लाभ दिया गया था। हो सकता है कि मप्र के मामले में भी अंतरिम राहत दे दें। याचिकाकर्ताओं ने आपत्ति जताई। इस पर कोर्ट ने कहा कि इस मामले पर जो उपयुक्त समाधान हो सकता है, उस पर कल विवेचना करके सुनवाई करेंगे। सामान्य वर्ग के छात्रों का प्रतिनिधित्व वरिष्ठ अधिवक्ता आदित्य संघी ने किया। उन्होंने बताया कि ओबीसी आरक्षण पर मध्य प्रदेश हाईकोर्ट द्वारा 19 मार्च 2019 को आशिता दुबे मामले में ओबीसी आरक्षण बढ़ाने पर रोक लगा दी गई थी। यह रोक सुप्रीम कोर्ट या हाईकोर्ट के फैसले तक जारी रहेगी। ओबीसी की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता रामेश्वर सिंह ठाकुर व अन्य उपस्थित हुए।

रज्जाक जेल में बंद था, तो उसके खिलाफ अलग-अलग थानों में आपराधिक प्रकरण कैसे दर्ज कर लिए

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट ने पुलिस प्रशासन की कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए पूछा कि जब हिस्ट्रीशीटर अब्दुल रज्जाक अगस्त 2021 से लगातार जेल में बंद था, तो उसी दौरान उसके खिलाफ अलग-अलग थानों में आपराधिक प्रकरण कैसे दर्ज कर लिए गए। जस्टिस विवेक अग्रवाल व जस्टिस एके सिंह की डिवीजन बेंच ने जबलपुर व कटनी के पुलिस अधीक्षकों को शपथ पत्र पर 10 अक्टूबर तक स्पष्टीकरण देने के निर्देश दिए। अगली सुनवाई 14 अक्टूबर को होगी।अब्दुल रज्जाक की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता मोहम्मद अली व शारिक अकील फारुकी ने बताया कि सरकार द्वारा उनके मुवक्किल को लगातार परेशान किया जा रहा है। दलील दी गई कि रज्जाक के खिलाफ दर्ज कई मामलों में अभी तक अंतिम रिपोर्ट दाखिल नहीं की गई है। जैसे ही एक मामले में जमानत मिलती है, उसी समय दूसरे प्रकरण में गिरफ्तारी दिखा दी जाती है। यह न्यायिक प्रक्रिया के साथ छलावा है। याचिका में आरोप है कि व्यावसायिक प्रतिद्वंद्विता के कारण उसके विरुद्ध कानूनी कार्रवाई पूर्व कैबिनेट मंत्री व मौजूदा विधायक के इशारे पर की जा रही है। याचिका में मौजूदा विधायक के नाम का खुलासा नहीं किया गया है।

जबलपुर व कटनी के पुलिस अधीक्षकों को शपथ पत्र पर 10 अक्टूबर तक स्पष्टीकरण देने के निर्देश

यूका की राख के विनिष्टीकरण के लिए ऐसी जगह तलाशें जहां रहवास न हो

जबलपुर । मप्र हाईकोर्ट ने मध्य प्रदेश शासन को यूनियन कार्बाइड के जहरीले कचरे के विनिष्टीकरण से निकली राख की विशेषज्ञों द्वारा की गई जांच की रिपोर्ट पेश करने के निर्देश दिए हैं। प्रशासनिक न्यायाधीश अतुल श्रीधरन व जस्टिस प्रदीप मित्तल की डिवीजन बेंच ने सरकार को यह भी कहा है कि राख के विनिष्टीकरण के लिए अन्य कोई ऐसा सुरक्षित स्थान भी तलाशें जहां रहवास नहीं हो। कोर्ट ने अगली सुनवाई तक सरकार को इस संबंध में भी अपना पक्ष रखने कहा है। अगली सुनवाई 20 नवंबर को होगी।उल्लेखनीय है कि वर्ष 2004 में आलोक प्रताप सिंह ने यूनियन कार्बाइड के जहरीले कचरे के विनष्टीकरण की मांग करते हुए हाई कोर्ट में जनहित याचिका दायर की थी। जनहित याचिकाकर्ता की मृत्यु के बाद हाई कोर्ट मामले की सुनवाई संज्ञान याचिका के रूप में कर रही थी। पूर्व में हुई सुनवाई के दौरान राज्य शासन की ओर से पेश रिपोर्ट में बताया गया था कि यूनियन कार्बाइड के जहरीले कचरे का विनष्टीकरण सफलतापूर्वक पीथमपुर स्थित सुविधा केंद्र में कर दिया गया है। जहरीले कचरे से 850 मीट्रिक टन राख व अवशेष एकत्रित हुआ है। एमपीपीसीबी से सीटीओ मिलने के बाद अलग लैंडफिल सेल में उसे नष्ट किया जाएगा। इस दौरान हाई कोर्ट में एक अन्य जनहित याचिका दायर की गयी थी। जिसमें कहा गया था कि यूनियन कार्बाइड के जहरीले कचरे की राख में रेडियो एक्टिव पदार्थ सक्रिय हैं, जो चिंता का विषय है। रखा में मरकरी है, जिसे नष्ट करने की तकनीक सिर्फ जपान व जर्मनी के पास है। याचिकाकर्ता की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता नमन नागरथ व अधिवक्ता खालिद नूर फखरुद्दीन ने पैरवी की।

हाई कोर्ट ने राज्य शासन को राख की विशेषज्ञों द्वारा की गई जांच की रिपोर्ट पेश करने के दिए निर्देश

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान का हुआ जबलपुर अल्प प्रवास

जनप्रतिनिधियों एवं पार्टी पदाधिकारियों ने किया स्वागत

जबलपुर। केंद्रीय कृषि मंत्री और प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान का बुधवार को जबलपुर अल्प प्रवास हुआ। श्री चौहान का डुमना विमानतल पर लोक निर्माण राकेश सिंह, भाजपा जिला अध्यक्ष रत्नेश सोनकर, ग्रामीण अध्यक्ष राजकुमार पटेल, विधायक अशोक रोहाणी, सुशील तिवारी इंदु, अभिलाष पांडे, नीरज सिंह, संतोष बारकड़े, अखिलेश जैन, शरद जैन, प्रभात साहू, जीएस ठाकुर, पंकज दुबे रजनीश यादव ने स्वागत किया। कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान जबलपुर एयरपोर्ट से गोटेगांव रवाना हुये जहाँ प्रदेश के ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल की माताजी को श्रद्धांजलि देने के पश्चात पुनः जबलपुर पहुंचे, श्री चौहान ने जबलपुर सर्किट हॉउस में भाजपा पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओ से भेंट की।

त्वरित मेंटेनेन्स के लिए बनी टेस्ट बेंच

जबलपुर। जबलपुर मंडल के यांत्रिक विभाग द्वारा कोचों (लाल रंग के कोचों) में लगे फायर स्मोक डिटेक्शन सिस्टम जो कि कोच में आग लगने या धुएं की स्थिति का पता लगाने की स्वचलित प्रणाली हैं। कोच के अन्दर ऊपरी हिस्से पर लगे फायर स्मोक डिटेक्शन सिस्टम द्वारा ट्रेनों में आगजनी की घटनाओं का पता लगा कर यात्रियों की सुरक्षा कर, जानमाल की हानि को रोके जानें का महत्वपूर्ण कार्य किया जाता हैं। प्रमुख मुख्य यांत्रिक इंजीनियर पश्चिम मध्य रेल जबलपुर श्री एम विजय कुमार एवं मंडल रेल प्रबंधक जबलपुर श्री कमल कुमार तलरेजा के मार्गदर्शन में कोचिंग डिपो जबलपुर में कार्यरत जूनियर इंजीनियर श्री रंजीत कुमार चौहान द्वारा फायर स्मोक डिटेक्शन सिस्टम के त्वरित मेंटेनेन्स के लिए एक ऐसी टेस्ट बेंच विकसित की गई है(

ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने की विद्युत कंपनियों की समीक्षा

जबलपुर।

मध्यप्रदेश के ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने विद्युत कंपनियों के मुख्यालय जबलपुर स्थित शक्ति भवन में मध्यप्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत कंपनी, मध्यप्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी व मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी की समीक्षा करते हुए कहा कि आगामी रबी सीजन को दृष्टगित रखते हुए ताप विद्युत गृहों से पर्याप्त विद्युत उत्पादन किया जाए, ट्रांसमिशन नेटवर्क की स्थिरता व निरतंरता बनाई रखी जाए और मैदानी क्षेत्र में आवश्यकतानुसार वितरण ट्रांसफार्मर की उपलब्धता सुनिश्चति की जाए। समीक्षा बैठक में पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के प्रबंध संचालक अनय द्विवेदी, मध्यप्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी के प्रबंध संचालक मनजीत सिंह, मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी के प्रबंध संचालक सुनील तिवारी व तीनों कंपनियों के वरिष्ठ अभियंता उपस्थित थे।ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने कहा कि पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी आगामी रबी सीजन के पूर्व मैदानी क्षेत्र में ट्रांसफार्मर की क्षमता वृद्धि एवं अतिरिक्त ट्रांसफार्मर स्थापित करने कार्य समय सीमा से पूर्व कर ले। उन्होंने कहा कि मैदानी क्षेत्र में फेल होने वाले ट्रांसफार्मरों को त्वरित रूप से बदलने के लिए अतिरिक्त ट्रांसफार्मर का प्रबंधन व भंडारण क्षेत्रीय स्टोर में करें। ऊर्जा मंत्री ने किया पालनाघर का उद्घाटन-ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने जबलपुर प्रवास के दौरान पूर्व क्षेत्र विद्युत कंपनी के पालनाघर, स्मार्ट मीटरिंग मानीटरिंग सेंटर, ऑनलाइन परमिट, आईटी पार्क में क्वकि हेल्पडेस्क, वी-मित्र का उद्घाटन किया। ऊर्जा मंत्री ने कॉलसेंटर में नियुक्त दिव्यांग व विधवा महिलाओं को प्रेरणा सम्मान के तहत सम्मानित भी किया।

रबी सीजन में हो पर्याप्त विद्युत उत्पादन, कारगर पारेषण व्यवस्था और वितरण ट्रांसफार्मरों की उपलब्धता

जिले में तीन दिवसीय पल्स पोलियो अभियान की शुरुआत 12 से

जबलपुर।

बच्चों को पोलियो जैसी गम्भीर बीमारी से बचाने के लिये जिले में रविवार 12 अक्टूबर से तीन दिनों का पल्स पोलियो अभियान चलाया जाएगा। पल्स पोलियो अभियान के इस अतिरिक्त चरण में 3 लाख 89 हजार 454 बच्चों को पोलियो की दो बूंद दवा पिलाने का लक्ष्य रखा गया है। इसके लिये जिले भर में 2 हजार 476 पोलियो बूथ बनाये जा रहे हैं।जिले के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ संजय मिश्रा ने अभिभावकों पल्स पोलियो अभियान के पहले दिन ही 5 वर्ष तक के बच्चों को नजदीकी बूथ में ले जाकर पोलियो की दवा पिलाने की अपील की है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ संजय मिश्रा ने कहा कि पल्स पोलियो अभियान एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम है।

उन्होंने बताया कि पल्स पोलियों के अभियान के इस अतिरिक्त चरण में रविवार 12 अक्टूबर को जिले में स्थापित पोलियों बूथों पर जीरो से 5 वर्ष तक के बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाई जायेगी। उन्होंने बताया कि तीन दिन के इस अभियान के पहले दिन यदि कोई बच्चा पोलियो बूथ में दवा पीने से वंचित रह जाता है, तो उसे सोमवार 13 एवं मंगलवार 14 अक्टूबर को घर-घर जाकर दवा पिलायी जायेगी।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ मिश्रा ने अभियान से जुड़े सभी चिकित्सा अधिकारियों निर्देशित किया है कि अभियान के अंतर्गत कोई भी बच्चा दवा पीने से वंचित नहीं रहे इस दिशा में सभी जरूरी व्यवस्थायें सुनिश्चित की जायें और अभियान का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जायेगा।

बच्चों को पिलाई जायेगी दवा ...

जिले में पल्स पोलियो अभियान के अतिरिक्त चरण में बच्चों को पोलियो की दवा पिलाने कुल 2 हजार 476 बूथ स्थापित किये जा रहे हैं। इनमें बी टाईप के 2 हजार 268, सी टाइप के 78 तथा 31 मोबाइल बूथ एवं 99 ट्रांजिट बूथ शामिल हैं। इन बूथों में 5 वर्ष तक की आयु के 3 लाख 89 हजार 454 बच्चों को पोलियो निरोधक दवा पिलाई जायेगी। इसके लिये 4 हजार 952 कर्मचारी तथा 362 सुपरवाइजर की ड्यूटी लगाई गई है।

जिला स्तरीय प्रशिक्षण ..

पल्स पोलियो अभियान के अतिरिक्त चरण के सफल क्रियान्वयन के मद्देनजर जबलपुर शहरी क्षेत्र की सभी एएनएम, सुपरवाईजर, आशा कार्यकर्ता, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, आंगनवाडी सहायिका, नर्सिंग स्टूडेण्ट, वालिंटियर (वेक्सीनेटर) को का प्रशिक्षण आज बुधवार को मानसभवन संपन्न हुआ। प्रशिक्षण जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ विनोद गुप्ता, अर्बन नोडल अधिकारी डॉ अमजद खान, विश्व स्वास्थ्य संगठन के डॉ जलज खरे एवं वीसीसीएम विकास शर्मा के द्वारा दिया गया।

ई-टोकन जनरेट करने में आने वाली समस्याओं का निराकरण करने कंट्रोल रूम स्थापित

जबलपुर। जिले में प्रारंभ हुई उर्वरक वितरण की नई व्यवस्था में किसानों को ई-टोकन जनरेट करने में होने वाली समस्याओं के निराकरण के लिये जिला स्तर पर कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है। कंट्रोल रूम सुबह 10 बजे से शाम 6 बजे तक चालू रहेगा। कलेक्टर कार्यालय में स्थापित इस कंट्रोल रूम का टोल फ्री नम्बर 0761-181 है।उप संचालक कृषि डॉ एस के निगम ने बताया कि पायलट प्रोजेक्ट के रूप में जबलपुर जिले में हाल ही में लागू "ई-टोकन एवं उर्वरक वितरण प्रणाली" में यदि किसी किसान को ई-टोकन जनरेट करने में समस्या आती है तो वह अपनी समस्या कंट्रोल रूम के टोल फ्री नंबर 0761-181 पर दर्ज करा सकता है, ताकि उसका त्वरित निराकरण करवाया जा सके। उप संचालक कृषि के मुताबिक किसान ई-टोकन जनरेट करने में आने वाली समस्या कंट्रोल रूम के टोल फ्री नम्बर के अलावा उडक स्क्रीन शॉट लेकर व्हाट्स एप नंबर 62699 01001 पर भी भेज सकते हैं।

स्टेशनों में गंदगी फ़ैलाने वालों से रेलवे ने 13 लाख 88 हजार वसूले

जबलपुर। जबलपुर मण्डल के सभी रेलवे स्टेशनों एवं रेलगाड़ियों में नियमित साफ सफाई सुनिश्चित करने लोगों को जागरुक किया जा रहा हैं। बार-बार समझाइश के बावजूद कुछ लोग लापरवाही बरतते हैं, ऐसे लोगों के खिलाफ रेल प्रशासन द्वारा समय-समय पर रेलवे अधिनियम के अंतर्गत आर्थिक दंड की कार्यवाही की जा रही है। रेलवे द्वारा गत 9 माह जनवरी 2025 से सितंबर 2025 तक जबलपुर मंडल के स्टेशन परिसर में गन्दगी फैलाने वालों के विरुद्ध चलाये गए अभियान में कुल 6 हजार 926 व्यक्तियों के मामले पकडे गए, जिनसे कुल 13 लाख 88 हजार 200 रूपये का आर्थिक दंड वसूला गया। अकेले सितंबर माह में गन्दगी फैलाने वालों के विरुद्ध चलाये गए इस अभियान में कुल 576 व्यक्तियों के मामले पकडे गए, जिनसे कुल 1 लाख 15 हजार 200 रूपये का आर्थिक दंड लगाया गया। इसके अलावा आर्थिक दंड के साथ-साथ ऐसे लोगों को समझाईश भी दी जाती है। साथ ही गंदगी से होने वाले नुकसान की जानकारी देते हुए स्टेशन परिसर स्वच्छ रखने के लिए अनुरोध भी किया जा रहा है। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक डॉ. मधुर वर्मा ने यात्रियों से अनुरोध किया है की रेलवे आपकी अपनी संपत्ति है, रेल परिसर में कृपया गंदगी न फैलाएं। स्टेशन का वातावरण स्वच्छ, सुंदर रखने में रेल प्रशासन द्वारा किये जा रहे प्रयासों में सहभागी बनें। गंदगी करने वालों के विरुद्ध आगे भी ऐसे अभियान निरंतर जारी रहेंगे।

-होटल संचालक की मनमानी पर फूटा जनाक्रोश, आरोपी को दबोचने पुलिस की छापेमारी जारी

बदतमीजी और दबंगई का नतीजा बना अभिनंदन गोलीकांड

हरिभूमि, जबलपुर।

बस स्टैंड क्षेत्र के बीचों बीच स्थित अभिनंदन होटल में हुए गोलीकांड के आरोपियों को दबोचने पुलिस ने एड़ी-चोटी का जोर लगा दिया है। हालांकि अभी सफलता नहीं मिली है लेकिन दावा किया जा रहा है जल्द आरोपी सींखचों में होंगे। वहीं अब इस कांड के बाद शहरवासी भी मुखर हो गए हैं। सोशल मीडिया में लोग इस घटना को महज एक बदमाश की गुंडागर्दी नहीं बल्कि होटल संचालक और उसके स्टाफ की वर्षों से चली आ रही दबंगई, बदतमीजी और ग्राहकों के साथ अपमानजनक व्यवहार का नतीजा थी।

हरिभूमि फॉलोअप

दशहरे की रंजिश में युवक ने की फायरिंग, होटल संचालक की लापरवाही से हुई घटना

परिवार के सामने हुए अपमान का गोली चलाकर लिया बदला

पहले भी हो चुकी हैं मारपीट की घटनाएं, होटल प्रबंधन पर उठे गंभीर सवाल

ग्राहकों से बदतमीजी, धमकियां और मनमानी

शहर के सबसे व्यस्त बस स्टैंड इलाके में स्थित यह होटल लंबे समय से अपने कर्मचारियों की बदजुबानी और दबंग रवैये के लिए कुख्यात रहा है। कई बार ग्राहकों से विवाद, झगड़े और मारपीट की घटनाएं यहां घट चुकी हैं। सोशल मीडिया पर दर्जनों लोगों ने लिखा है कि होटल संचालक और बंगाली भाई कहलाने वाले उनके साथी आए दिन ग्राहकों से बदसलूकी करते हैं, परिवार सहित आने वालों को अपमानित करते हैं, और शिकायत करने पर धमकी तक दे डालते हैं।

असामाजिक तत्वों का जमावड़ा

रात में होटल के बाहर अक्सर असामाजिक तत्वों का जमावड़ा लगा रहता है। शराब पीकर झूमते और गाड़ियों पर तेज आवाज में गाने बजाते युवकों की मौजूदगी से स्थानीय नागरिक महीनों से परेशान हैं। कई बार शिकायतें भी हुईं, मगर होटल संचालक की पहुंच के चलते हर शिकायत ठंडे बस्ते में डाल दी गई।

बेज्जती का बदला बनी गोलियों की आवाज

मंगलवार को आरोपी गोलू विश्वकर्मा उर्फ कबाड़ी अपने परिवार के साथ होटल में खाना खाने आया था। वहां किसी बात पर विवाद हुआ और कर्मचारियों ने उसके साथ गर्भवती पत्नी और परिवार के अन्य सदस्यों के सामने ही मारपीट कर दी। यह अपमान गोलू के गले नहीं उतरा। शाम 4:23 बजे वह सफेद शर्ट पहने, हाथ में रिवॉल्वर लिए होटल में घुसा और काउंटर पर बैठे संचालक अश्विन पर दनादन चार फायर झोंक दिए। पहला फायर शीशा तोड़ते हुए निकल गया, बाकी फायरों से बचने के लिए अश्विन काउंटर के नीचे दुबक गया। मौके पर अफरातफरी और भगदड़ मच गई। गोली चलाने के बाद गोलू अपने साथी के साथ मोटरसाइकिल पर सवार होकर आराम से निकल गया।

दशहरा में हो चुका था विवाद

होटल संचालक ने भले ही शूटर को न पहचानने की बात कही हो, लेकिन खुद माना कि दशहरा वाले दिन पहले होटल के एक वेटर से गोलू का झगड़ा हुआ था। कर्मचारियों ने उस समय उसे पीट दिया था, मामला शांत कराने का दिखावा किया गया, मगर वही झगड़ा अब गोलीकांड में बदल गया।

जनता का गुस्साः यह होटल नहीं, दबंगों का अड्डा

घटना के बाद सोशल मीडिया पर जब हरिभूमि ने सीसीटीवी फुटेज जारी किया, तो आधा सैकड़ा से ज्यादा लोगों ने होटल संचालकों के खिलाफ अपने अनुभव साझा किए। लोगों ने लिखा यह होटल नहीं, बदतमीजों का अड्डा है। ग्राहक से गाली-गलौज और मारपीट यहां आम बात है, कई बार पुलिस को बुलाया गया, पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। जनता का कहना है कि यह गोलीकांड बदमाशी का नहीं, बल्कि वर्षों की बदतमीजी का परिणाम है।

घर पर मोबाईल छोड़कर हुआ फरार

आरोपी गोलू कबाड़ी निवासी घमापुर पर पहले से शराब तस्करी और अन्य अपराधों के प्रकरण दर्ज हैं। घटना के बाद वह अपने साथी अनूप उर्फ बकरी (कांचघर निवासी) के साथ घर पहुंचा, मोबाइल वहीं छोड़कर कुंडम के रास्ते सतना की ओर फरार हो गया। पुलिस उसकी तलाश में लगातार दबिश दे रही है।

सवाल जनता के मन में

अब शहर पूछ रहा है आखिर कब तक ऐसे होटल संचालक आम नागरिकों को अपमानित कर बचते रहेंगे? क्या प्रशासन उन जगहों पर कार्रवाई करेगा जो असामाजिक तत्वों के ठिकाने बन चुके हैं? अभिनंदन होटल की गोलियों ने सिर्फ दीवारें नहीं छलनी कीं शहर की चुप्पी भी चीर दी है।

डेयरी प्रक्षेत्र और गौशालाओं का निरीक्षण

जबलपुर। पशुपालकों को नस्ल सुधार, पशु आहार एवं पशु स्वास्थ संबंधी जानकारी प्रदाय करने एवं इसकी महत्ता समझाने के संबंध में संपूर्ण मध्यप्रदेश में 03अक्टूबर से 09 अक्टूबर तक "दुग्ध समृद्धि संपर्क अभियान" व्यापक स्तर पर चलाया जा रहा है। जिसमें 10 से अधिक गौवंश या भैंसवंश पालने वाले पशुपालकों के घर-घर जाकर पशुपालन विभाग के अधिकारी कर्मचारियों द्वारा पशुपालकों से संपर्क किया जा रहा है। इसी तारतम्य में पशुपालन एवं डेयरी विभाग राज्यमंत्री श्री लखन सिंह पटेल द्वारा डेयरी प्रक्षेत्र परियट (कंदराखेडा) स्थित बलहारा डेयरी का भ्रमण कर डेयरी मालिक से पशुओं में नस्ल सुधार, डेयरी प्रबंधन, शासन द्वारा प्रस्तावित ब्रीडिंग एसोसिएशन, साइलेज, हराचारा, पशुप्रबंधन, दुग्ध उत्पादन, पशुस्वास्थ एवं पशुपालन से संबंधित अन्य महत्त्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई। मंत्री श्री पटेल द्वारा पशु चिकित्सालय कन्दराखेड़ा का भ्रमण निरीक्षण किया गया।पशु चिकित्सालय प्रभारी डॉ. संजय गुप्ता से पशु चिकित्सा संबंधी जानकारी प्राप्त की। तत्पश्चात मंत्री श्री पटेल द्वारा विद्यासागर सेवाश्रम गौशाला गोसलपुर का भी भ्रमण किया गया। पशुपालन मंत्री श्री पटेल द्वारा गोशाला संचालक से गौशाला के संचालन एवं प्रबंधन के संबंध में चर्चा की गई एवं गौशाला के आपातकालीन चिकित्सा कक्ष का भी निरीक्षण किया गया। इस दौरान गौशाला अध्यक्ष एवं अन्य गौरक्षकों द्वारा मृत पशुओं के शव निस्तारण स्थल के संबंध में चर्चा की। भ्रमण कार्यक्रम के दौरान मंत्री श्री पटेल को उपसंचालक पशुपालन एवं डेयरी डॉ प्रफुल्ल मून ने जिले में दुग्ध समृद्धि संपर्क अभियान के सम्बन्ध में विस्तार से जानकारी दी। भ्रमण के दौरान विभागीय अधिकारी एवं कर्मचारी भी उपस्थित रहे।

दुग्ध समृद्धि संपर्क अभियान

हाईकोर्ट ने राज्य सरकार सहित अन्य से मांगा जवाब

शिक्षक भर्ती प्रक्रिया में आरक्षित वर्ग के लिए पात्रता परीक्षा के नियम को चुनौती

हरिभूमि जबलपुर।

प्राथमिक एवं माध्यमिक शिक्षक भर्ती प्रक्रिया में आरक्षित वर्ग के लिए पात्रता परीक्षा के निर्धारित अंक के नियम को मप्र हाईकोर्ट में चुनौती दी गई है। चीफ जस्टिस संजीव सचदेवा व जस्टिस डीडी बंसल की डिवीजन बेंच ने स्कूल शिक्षा विभाग के प्रमुख सचिव, ट्रायबल वेलफेयर विभाग के प्रमुख सचिव, आयुक्त लोक शिक्षण संचालनालय व अन्य को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। उक्त नियुक्तियों पर रोक लगाने के आवेदन पर भी कोर्ट ने सरकार से जवाब मांगा है। जवाब आने के बाद स्टे देने की मांग पर विचार होगा। मामला करीब 10 हजार भर्तियों से जुड़ा है।

पन्ना निवासी दीपक गर्ग व अन्य की ओर से भर्ती नियम 2024 के नियम 12.4 की वैधानिकता को चुनौती दी गई है। इस नियम के अनुसार आरक्षित वर्ग के ऐसे अभ्यर्थी जिन्होंने पात्रता परीक्षा में 90 से कम अंक प्राप्त किए हैं, उनकी पात्रता चयन परीक्षा के आरक्षित प्रवर्ग में ही मान्य होगी। चयन परीक्षा में मेरिट में आने पर भी ऐसे अभ्यर्थी अनारक्षित प्रवर्ग में चयन हेतु

पात्र नहीं होंगे। दलील दी गई कि यह प्रावधान सुप्रीम कोर्ट के सौरव यादव बनाम उत्तर प्रदेश , तेज प्रकाश पाठक बनाम राजस्थान उच्च न्यायालय और इंद्रा साहनी बनाम भारत संघ में दिए फैसलों के प्रतिकूल है। इन प्रकरणों में सुको ने यह स्पष्ट किया है कि आरक्षित वर्ग के मेरिटोरियस अभ्यर्थी सामान्य वर्ग में चयन हेतु पात्र होते हैं। उन्होंने बताया कि याचिकाकर्ता के पात्रता परीक्षा 82 अंक थे और चयन परीक्षा में 40 परसेंटाइल थे। वहीं अनारक्षित वर्ग में 12 एवं 17 परसेंटाइल वालों का चयन हुआ क्योंकि उनके पात्रता परीक्षा में 90 अंक से अधिक थे।

हाईकोर्ट का अंतरिम आदेश

लीगल एड डिफेंस काउंसिल को पद पर बने रहने की अनुमति

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट ने प्रदेश के विभिन्न विधिक सेवा प्राधिकरणों में लीगल एड डिफेंस काउंसिल की नियुक्ति के लिए जारी की गई एसओपी को चुनौती के प्रकरण की सुनवाई की। जस्टिस विशाल धगट व जस्टिस अनुराधा शुक्ला की डिवीजन बेंच ने इस सिलसिले में नेशनल लीगल सर्विसेज अथारिटी, केन्द्रीय विधि एवं न्याय विभाग, राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण व सम्बंधित जिले के विधिक सेवा प्राधिकरण को नोटिस जारी कर जवाब मांगा। कोर्ट ने अंतरिम आदेश के तहत याचिकाकर्ता काउंसिल को पद पर बने रहने की अनुमति प्रदान की है।

पन्ना निवासी आनंद कुमार त्रिपाठी व अन्य की ओर से अधिवक्ता मोहनलाल शर्मा व जितेंद्र गर्ग ने पक्ष रखा। उन्होंने बताया कि प्रदेश के विभिन्न जिलों में नेशनल लीगल सर्विस अथारिटी (नालसा) के द्वारा लीगल एड डिफेंस काउंसिल की नियुक्ति की है। राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण ने छह अगस्त, 2025 को इन पदों पर नियुक्ति के लिए नई एसओपी जारी की है। इसके तहत पहले से कार्यरत काउंसिल को कार्यकाल समाप्त होने के बाद दोबारा चयन प्रक्रिया से गुजरना पड़ेगा। यह प्रविधान नालसा के नियमों के विपरीत है। नालसा के नियम के तहत पहले से कार्यरत काउंसेल्स के कार्य का मूल्यांकन करते हुए उन्हें एक्सटेंशन देने का प्रावधान है।

भाजपा विधायक कंचन तन्वे के जाति प्रमाण पत्र मामले में फैसला सुरक्षित

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट ने खंडवा से भाजपा विधायक कंचन तन्वे के जाति प्रमाण पत्र की सत्यता की जांच की मांग के मामले में सुनवाई पूरी कर ली। जस्टिस विशाल धगट की सिंगल बेंच ने इसी की साथ ही अपना फैसला सुरक्षित कर लिया। आंबेडकर वार्ड, खंडवा निवासी कुंदन मालवीय की ओर से यह चुनाव याचिका दायर की गई है। इसमें भाजपा विधायक कंचन तन्वे के निर्वाचन को चुनौती दी गई है। याचिकाकर्ता का कहना है कि तन्वे ने खंडवा की भाजपा सीट से वर्ष 2023 में उम्मीदवार थी। उक्त सीट एससी के लिये आरक्षित थी। आरोप है कि अनावेदिका ने जो जाति प्रमाण पत्र पेश किया है, वह फर्जी है।क्योकि उक्त जाति प्रमाण पत्र का कोई प्रकरण क्रमांक नहीं है। न ही उसकी शासकीय कार्यालय में कोई फाईल है। इतना ही नहीं उक्त प्रमाण पत्र में पिता की जगह पति का नाम दर्ज है। मामले में राहत चाही गई कि झूठा जाति प्रमाण पत्र पेश करने पर तन्वे का निर्वाचन शून्य घोषित किया जाना चाहिए। उक्त मामले में पूर्व में हुई गवाही के बाद आवेदक की ओर से जाति प्रमाण पत्र की सत्यता के लिए प्रकरण तलब किये जाने का आवेदन पेश किया गया था। जिसमें बुधवार को उभयपक्ष के तर्क पूरे होने के बाद न्यायालय ने अपना निर्णय सुरक्षित कर लिया। याचिकाकर्ता का पक्ष अधिवक्ता अतुल चौधरी ने रखा।

समर्थ भारत–सक्षम अभियान के तहत कौशल यात्रा का शुभारंभ

पनागर (कुशनेर)। नई शिक्षा नीति की जानकारी और छात्रों में कौशल विकास को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से आईसेक्ट द्वारा हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी कौशल यात्रा / पुस्तक यात्रा का आयोजन किया गया है। यह यात्रा पूरे भारत में भ्रमण कर रही है और अब जबलपुर जिले के ग्राम कुशनेर में पहुंची।

कार्यक्रम का शुभारंभ माननीय विधायक सुशील तिवारी तहसीलदार गौरव पांडे हाई स्कूल प्रिंसिपल जीएश मार्को प्रधान अध्यापक अरविंद वर्मा सर्वेश मिश्रा विकासखंड भारत मंगरोलिया जबलपुर ई सेक्टर के शाखा प्रबंधक निशांत श्रीवास्तव कंप्यूटर डायरेक्टर मनोज प्रजापति छात्र-छात्राएं एवं की गरिमामयी उपस्थिति में हरी झंडी दिखाकर किया गया।

इस अवसर पर बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं, शिक्षकों एवं ग्रामवासी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में वक्ताओं ने नई शिक्षा नीति के महत्व, कौशल विकास, और युवाओं के रोजगार अवसरों पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह यात्रा विद्यार्थियों को आत्मनिर्भर भारत के निर्माण की दिशा में जागरूक करने का कार्य करेगी।

आईसेक्ट द्वारा संचालित यह अभियान देश के विभिन्न जिलों में जाकर छात्रों को नई शिक्षा नीति और तकनीकी कौशलों के प्रति प्रेरित कर रहा है।

सड़क और नाली निर्माण कार्य वर्षों से अधर में

रामनगर कॉलोनी के नागरिक बुनियादी सुविधाओं से वंचित

मझौली। नगरपरिषद मझौली के अंतर्गत आने वाले वार्ड नं. 7 (रामनगर कॉलोनी) तथा वार्ड नं. 13 और 14 के नागरिक पिछले दस वर्षों से भी अधिक समय से बुनियादी सुविधाओं की कमी से जूझ रहे हैं। क्षेत्र में न तो सड़क का निर्माण हुआ है और न ही नाली की समुचित व्यवस्था की गई है। इससे क्षेत्रवासियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

रामनगर कॉलोनी के रहवासियों का कहना है कि उन्होंने नगर परिषद में कई बार शिकायतें दर्ज कराईं, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्यवाही नहीं हुई। वार्ड नं. 13 और 14 में अधूरे निर्माण कार्य कर छोड़ दिए गए, जिससे सड़कों पर जलभराव की स्थिति बनी रहती है और गंदगी का आलम है।

बजबजाती नालियां, भिनभिनाती मक्खियां और मच्छरों का आतंक लोगों के लिए रोजमर्रा की चुनौती बन चुका है। स्थानीय निवासियों को सर्दी, खांसी, मलेरिया जैसी बीमारियों का खतरा लगातार बना हुआ है।

स्थानीय नागरिकों की मांग है कि शासन एवं प्रशासन इस समस्या का संज्ञान ले और शीघ्रातिशीघ्र सड़क एवं नाली निर्माण कार्य प्रारंभ किया जाए, जिससे नागरिकों को राहत मिल सके और स्वस्थ वातावरण सुनिश्चित किया जा सके।

प्रशासन और बैंक अधिकारी उनकी मांगों पर ध्यान नहीं देंगे, तो होगा व्यापक आंदोलन

बैंक मित्र और आउटसोर्स कर्मचारी उठाएंगे अपनी मांगों की आवाज

हरिभूमि जबलपुर।

मध्य प्रदेश बैंक मित्र संगठन और आउटसोर्स कर्मचारियों का ऐतिहासिक आंदोलन, समान वेतन, पेंशन, बीमा और बिचोलिये से आज़ादी की मांगों के साथ। मध्य प्रदेश बैंक मित्र संगठन एवं आउटसोर्स कर्मचारियों ने घोषणा की है कि वे 12 अक्टूबर को राजधानी भोपाल के अम्बेडकर पार्क में ऐतिहासिक हला बोल आंदोलन आयोजित करेंगे। उपरोक्तशय की जानकारी देते हुए जबलपुर संगठन की कार्यकारी अध्यक्ष मूर्ति नामदेव ने बताया कि इस आंदोलन का मकसद कर्मचारियों के लंबित अधिकारों और बैंक मित्र पर हो रहे अत्याचार व कई गंभीर समस्याओं को उजागर करना है। प्रदेशभर से बैंक मित्र और आउटसोर्स कर्मचारी इस आंदोलन में शामिल होकर अपनी मांगों की आवाज बुलंद करेंगे।

बैंक मित्र कम्पनी और आउटसोर्स प्रणाली में उनकी उपेक्षा और अनियमितताएँ लगातार बढ़ती जा रही हैं। संगठन ने इस आंदोलन के माध्यम से स्पष्ट किया है कि अब वक्त आ गया है कि प्रशासन उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुने और तुरंत समाधान प्रदान करे।

प्रमुख मांगें- बिचोलिये से आज़ादी, बैंक मित्र और बैंक के बीच में बिचोलियों की भूमिका समाप्त हो, समान काम, समान वेतन, समान कार्य करने वाले बैंक मित्र के लिए समान वेतन सुनिश्चित किया जाए, ताकि कार्य में असमानता और अन्याय दूर हो, बैंक मित्र के जान-माल का बीमा काम के दौरान बैंक मित्र की सुरक्षा और उनके जोखिमों के लिए बीमा का प्रावधान अनिवार्य किया जाए, पेंशन का प्रावधान, बैंक मित्र व कर्मचारी भविष्य की आर्थिक सुरक्षा और स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए पेंशन सुविधा की मांग कर रहे हैं, काम के घंटे और छुट्टी के दिन तय हों।

संगठन ने चेतावनी दी है कि अगर प्रशासन और बैंक अधिकारी उनकी मांगों पर ध्यान नहीं देंगे, तो वे और व्यापक आंदोलन करने को मजबूर होंगे।

आज कल आज कल के इंतजार में बीत गए 10 महीने

एक नाम को लेकर खींचतान में अटकी भाजपा कार्यकारिणी

जबलपुर। भारतीय जनता पार्टी की जबलपुर नगर कार्यकारिणी का इंतजार कार्यकर्ताओं के लिए लंबा होता जा रहा है। "आज-कल" के भरोसे 10 महीनें बीत चुका है, लेकिन संगठन की घोषणा अब तक अधर में लटकी हुई है। कार्यकारिणी को लेकर तारीख पर तारीख दी जा रही है। कार्यकर्ताओं की उत्सुकता जहां बढ़ती जा रही है, वहीं अंदरखाने की खींचतान नगर कार्यकारिणी की राह में सबसे बड़ी बाधा बनी हुई है।

सूत्रों के मुताबिक, नगर कार्यकारिणी लगभग तैयार हो चुकी है और वरिष्ठों से रायशुमारी भी हो चुकी है, लेकिन एक महामंत्री के नाम को लेकर पेंच फंस गया है। जबकि अधिकांश पदों को लेकर सहमति भी बन चुकी है। यही वजह है कि सूची पर मुहर लगने के बावजूद उसका ऐलान अब तक नहीं हो सका।

एक नाम को लेकर खींचतान

सूत्रों की माने तो कार्यकारिणी में एक नाम को लेकर जमकर आपत्ति है। कहा जा रहा है कि नगर कार्यकारिणी में जिस नाम को रखा गया है वह पहले एक वरिष्ठ विधायक के खासमखास माने जाते थे और इन दिनों वे दूसरे नेताओं के दरबार में हाजिरी दे रहे है। इस पर विधायक ने नगर अध्यक्ष के समक्ष अपनी आपत्ति दर्ज करा दी। लिहाजा मामला अटक गया है। यही कारण है कि संगठन स्तर पर भी मामला सुलझ नहीं पा रहा है। पार्टी के भीतर चर्चा यह भी है कि जिस नेता को महामंत्री पद पर लेकर असहमति है, उसका राजनीतिक सफर कई खेमों में घूमता रहा है। पहले वह युवा मोर्चा में सक्रिय था और एक वरिष्ठ विधायक के खेमे का हिस्सा माना जाता था। लेकिन बाद में उसने पाला बदल लिया।

कार्यकर्ताओं में बेचैनी

लगातार टलते ऐलान से कार्यकर्ताओं में बेचैनी बढ़ती जा रही है। संगठन के प्रति समर्पित कार्यकर्ता मानते हैं कि इस देरी से भाजपा की नगर इकाई की सक्रियता प्रभावित हो रही है। कई महत्वपूर्ण कार्यक्रम और रणनीतियाँ ठंडी पड़ गई हैं, क्योंकि कार्यकारिणी के गठन का इंतजार अब भी जारी है।

कब होगा ऐलान?

भाजपा का नगर नेतृत्व फिलहाल चुप्पी साधे हुए है। हालांकि सूत्रों का कहना है कि उच्च स्तर पर बातचीत के बाद जल्द ही मामला सुलझा लिया जाएगा और नगर कार्यकारिणी का ऐलान किया जाएगा। लेकिन कार्यकर्ताओं के बीच यह चर्चा आम है कि जब तक इस एक नाम पर सहमति नहीं बनती, तब तक ऐलान होना मुश्किल है।

638 पाव देशी शराब एवं बाईक जब्त

जबलपुर। गोरखपुर और कटंगी पुलिस ने अवैध शराब के कारोबार में लिप्त दो आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके पास से 638 पाव देशी शराब और परिवहन में प्रयुक्त मोटर सायकल जब्त की है। गोरखपुर थाना प्रभारी नितिन कमल ने बताया कि बुधवार को मुखबिर की सूचना पर टेंडर 2 मांडवा में अपने घर के पीछे नाले के पास देशी शराब बेचने के लिए रखे टेंडर 2 मांडवा रामपुर निवासी 22 वर्षीय सुमित गोंड को गिरफ्तार उसके पास से 340 पाव देशी शराब जब्त की है। उल्लेखनीय है कि पकड़ा गया आरोपी सुमित गौंड़ आपराधिक प्रवृति का है जिसके विरूद्ध थाना गोरखपुर में पूर्व से मारपीट के 8 अपराध पंजीबद्ध हैं। इसी तरह कटंगी थाना प्रभारी श्रीमति पूजा उपाध्याय ने बताया कि गत दिवस मुखबिर की सूचना पर ग्राम थूहा मोड़ ग्राम डुंगरिया में मोटर सायकल क्रमांक एमपी 20 एनएक्स 2015 में शराब रखकर आ रहे ग्राम थूहा निवासी 32 वर्षीय महेंद्र सिंह ठाकुर को गिरफ्तार उसके पास से कुल 298 पाव देशी शराब और बाईक जब्त की है।

बीना विधायक निर्मला सप्रे के दलबदल के खिलाफ याचिका पर सुनवाई अब 14 अक्टूबर को होगी

जबलपुर। बीना से विधायक निर्मला सप्रे के दलबदल के खिलाफ विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार की याचिका पर बुधवार को हाईकोर्ट में सुनवाई नहीं हुई। अब 14 अक्टूबर को सुनवाई होगी। चीफ जस्टिस संजीव सचदेवा की अध्यक्षता वाली डिवीजन बेंच इसकी सुनवाई करेगी। कोर्ट के निर्देश पर रजिस्ट्री ने मामले की जांच कर मामले को डिवीजन बेंच के समक्ष लिस्ट किया था। सिंघार ने कांग्रेस की बीना से विधायक निर्मला सप्रे का निर्वाचन शून्य करने की मांग की गई है। याचिका में विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर को भी पक्षकार बनाया गया है। याचिका के अनुसार पूर्व में विधानसभा अध्यक्ष तोमर को शिकायत की गई थी। लेकिन निर्धारित 90 दिन के भीतर कार्रवाई सुनिश्चित नहीं की गई। इसलिए हाईकोर्ट में याचिका दायर की गई। याचिका में कांग्रेस विधायक सप्रे पर पार्टी विरोधी गतिविधि का आरोप लगाया गया है। लोकसभा चुनाव के दौरान विरोधी दल भाजपा का प्रचार करते नजर आने का तथ्य रेखांकित किया गया है। याचिकाकर्ता का कहना है कि कांग्रेस विधायक सप्रे भाजपा में शामिल हो चुकी हैं। इसके बावजूद उन्होंने विधायक पद से त्यागपत्र नहीं दिया है। दलबदल कानून के प्रकाश में उनका यह रवैया गैर कानूनी है। इसलिए सदस्यता समाप्त की जानी चाहिए।

भोपाल की व्हिस्परिंग पाम्स कालोनी में अवैध निर्माण का मामला

पूर्व आइएएएस मोहंती व जुलानिया सहित अन्य को नोटिस

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट ने भोपाल की व्हिस्परिंग पाम्स कालोनी में अवैध निर्माण के मामले में पूर्व आइएएएस एसआर मोहंती व आरएस जुलानिया सहित अन्य को नोटिस जारी कर जवाब-तलब किया है। जस्टिस विशाल मिश्रा की सिंगल बेंच ने इसके लिए 24 नवंबर तक का समय दिया है।

याचिकाकर्ता भोपाल निवासी महेश सिंह परिहार व राज बहादुर प्रसाद ने आरोप लगाया है कि कालोनी के निर्माणों में भोपाल विकास योजना-2005 का उल्लंघन हुआ है। कलियासोत बांध के जलसंग्रहण क्षेत्र में सीमा से कई गुना अधिक निर्माण मनमाने तरीके से कर लिया गया है। याचिकाकर्ताओं की ओर से दलील दी गई कि नियमानुसार अवैध निर्माण रोके जाने चाहिए। साथ ही नियमों का उल्लंघन करने वाले निर्माणों को हटाए जाने की प्रक्रिया अपनाई जानी चाहिए। इसी मांग के साथ हाई कोर्ट आए हैं। इस कालोनी में अवैध शापिंग सेंटर का निर्माण भी कठघरे में है।

आचार्य विद्यासागर महाराज के जन्म महोत्सव पर दीपों से जगमगायातीर्थ

गुरु उपकार दिवस पर स्वरों से महकी सांस्कृतिक संध्या

जबलपुर। आचार्य प्रवर 108 विद्यासागर जी महामुनिराज एवं आचार्य श्री 108 समय सागर जी के अवतरण दिवस शरद पूर्णिमा के पावन अवसर पर श्री पिसनहारी मढ़िया जी तीर्थ गुरु उपकार महोत्सव के रूप में धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का साक्षी बना। प्रातः 7.30 बजे,महावीर मंदिर जी में आयोजित आचार्य छत्तीसी विधान एवं अन्य धार्मिक क्रियाओं से शुरुआत की गई जिसमें श्रद्धालुओं ने प्रभु स्तुति कर अपने कर्मों की निर्जरा की ।

मूलनायक के तैल चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन

पिसनहारी ट्रस्ट कमेटी के अध्यक्ष राजेंद्र जैन मम्मा, उपाध्यक्ष संजय चौधरी, महामंत्री संजय अरिहंत, मंत्री कैलाश चंद्र मट्टू, कोषाध्यक्ष सुबोध कामरेड सहित पूर्व मंत्री शरद जैन, सोशल ग्रुप फेडरेशन के विनय जैन, सुनील घीया, मंजेश जैन,संजय सम्यक, प्रदीप बेटियां, अजीत नायक, पवन भाग्यश्री, शिवनगर सुनील मंगलाहट, शैलेश आदिनाथ,प्रकाश पटेल,नवयुवक सभा के नितिन बेटियां एवं पिसनहारी व्यापारी संघ के राजीव बेटियां,अनिल जैन अन्नू सहित प्रतिष्ठित व्यक्तियों ने पिसनहारी के मूलनायक पदमप्रभु भगवान के तैल चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन कर आशीष प्राप्त किया।

सांस्कृतिक संध्याः गुरु उपकार दिवस

सायंकालीन 7.30 बजे शरद पूर्णिमा की शीतल छाया तले, श्री पिसनहारी परिसर में मंगलाचरण गीत एवं नृत्य कु.खुशी, कु.ईशा, कु.देशना द्वारा प्रस्तुत किया। इस अवसर का आकर्षण गुरु प्रवर आचार्य विद्या सागर जी एवं समय सागर जी के तैल चित्रों के समक्ष 1008 दीपों का अर्पण रहा। स्वस्तिक पर 1008 दीप, गुरु चरणों में अर्पित कर पूरे तीर्थ क्षेत्र को दीपों से जगमग कर दिया।

अमित पडरिया ने संचालन करते हुए गुरु चरणों के संस्मरण से जनमानस को परिचित करवाया। तत्पश्चात जिनेन्द्र भक्ति नृत्य प्रतियोगिता एवं सांस्कृतिक निशा का आयोजन किया गया। सुप्रसिद्ध भजन गायिका सुश्री आस्था जैन ने गुरु स्तुति प्रस्तुत की। महिला परिषद की सदस्यों ने जैन भजनों के साथ लगभग 2 से 3 घंटो तक अनवरत भक्ति नृत्य किया। कार्यक्रम में अखिल भारतीय दि जैन महिला परिषद,चंदना संभाग,सुंदरी संभाग, मनोरमा संभाग चेलना संभाग की क्रमशः मौली जैन अंजली जैन, संध्या कौशल, निशा चौधरी,चित्रा घिया, विजय लक्ष्मी जैन ने सक्रिय भूमिका निभाई।

निर्णायक द्वय श्रीमती गरिमा पटवा एवं श्रीमती मानसी विश्वकर्मा ने परिणामों की घोषणा की। समस्त प्रतिभागियों को ट्रस्ट कमेटी के राजू जैन साइकिल,संजय अरिहंत एवं संजय चौधरी ने कैश अवॉर्ड और मोमेंटो से पुरस्कृत किया।

श्री रवि शंकर द्विवेदी- गली नं. 5, शांति नगर दमोहनाका निवासी श्री रवि शंकर द्विवेदी (91) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती चम्पा राजपूत- महानद्दा खालसा कालेज के पास निवासी श्री मुरारी राजपूत की धर्मपत्नी श्रीमती चम्पा राजपूत (80) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्री राम कुमार पाली- शक्ति नगर भोले कुटि के पास निवासी श्री राम कुमार पाली (86) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती शांति बाई साहू- छोटी ओमती निवासी श्री खुमान सिंह साहू की धर्मपत्नी श्रीमती शांति बाई साहू (87) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती धनवंती देवी- सीओडी कॉलोनी सुहागी निवासी श्री रणवीर सिंह की धर्मपत्नी श्रीमती धनवंती देवी (68) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती राधा नेचलानी- आईडियल स्टेट गौरीघाट रोड निवासी श्री किशन चंद नेचलानी की धर्मपत्नी श्रीमती राधा नेचलानी (52) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

श्री नर्मदा प्रसाद विश्वकर्मा- अवधपुरी कॉलोनी गौरीघाट रोड निवासी श्री नर्मदा प्रसाद विश्वकर्मा (76) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

कु. कल्पना जाट- चांदमारी ओम कला मंदिर रोड लालमाटी निवासी श्री राम आसरे जाट की पुत्री

कु. कल्पना जाट (37) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

श्रीमती सीता बाई सिपाही- सदर वाजपेयी कम्पाउंड निवासी श्री रमेश सिपाही की धर्मपत्नी श्रीमती सीता बाई सिपाही (83) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती कृष्णा दुबे- गौतमगंज गढ़ा निवासी श्री श्यामा कांत दुबे की धर्मपत्नी श्रीमती कृष्णा दुबे (82) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

श्री राहुल गायकवाड़- एलआईसी इंद्रा बस्ती मदनमहल निवासी श्री किशन दास गायकवाड़ के पुत्र श्री राहुल गायकवाड़ (21) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती विमला देवी लोधी- बदनपुर शक्तिनगर निवासी श्री पीएल लोधी की धर्मपत्नी श्रीमती विमला देवी लोधी (78) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

श्रीमती गुलाबवती मेहले- एलआईसी इंद्रा बस्ती मदनमहल निवासी श्री दुलीचंद मेहले की धर्मपत्नी श्रीमती गुलाबवती मेहले (59) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री अयोध्या सिंह ठाकुर- नवनिवेश कॉलोनी गंगा नगर गढ़ा निवासी श्री अयोध्या सिंह ठाकुर (81) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

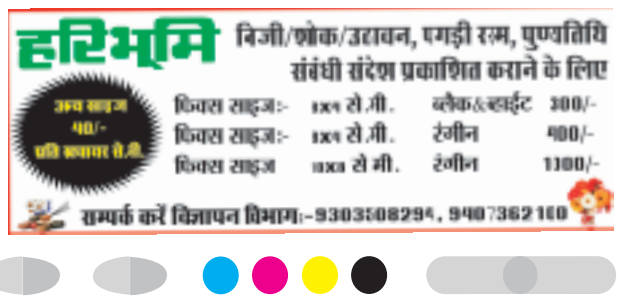

कोयलांचल में पीड़ितों के परिवारों से मिलने पहुंचे डिप्टी सीएम और स्वास्थ्य मंत्री, हरसंभव मदद करने का दिया आश्वासन

जहरीला सिरप: नागपुर में पांच बच्चे लड़ रहे हैं जिंदगी की जंग

हरिभूमि न्यूज ▶▶ छिन्दवाडा

कोयलाचंल क्षेत्र परासिया में जहरीला सिरप पीने से किडनी फेल होने की वजह से अब तक 19 बच्चों की मौत हो चुकी है और पांच बच्चे अभी भी जिंदगी की जंग लड़ रहे हैं और इन सबकी हालत भी गंभीर बनी हुई है। शासन के निदेर्शानुसार, इन सभी बच्चों की देखरेख के लिए छिंदवाड़ा से अधिकारी और डॉक्टरों की ड्यूटी लगाई गई है।कोयलाचंल से अविका विश्वास नागपुर के न्यू हेल्थ सिटी में उपचाररत है और हर्ष वदुवंशी, कुणाल यदुवंशी एम्स में भर्ती है, जिनका इलाज चल रहा है। कोयलाचंल के ही गर्भित पवार और मयंक सूर्यवंशी का इलाज नागपुर के मेडिकल कॉलेज में चल रहा है। सभी के इलाज पर छिंदवाड़ा जिला प्रशासन पूरी तरह निगरानी रखे हुए है। बता दें कि इस साल की अगस्त की 17 तारीख से कोलड्रिफ सिरप का तांडव शुरू हुआ था। परासिया ब्लाक के ग्राम डुड्डी के बालक को ये सिरप दिया गया था। इसके बाद उसकी तबीयत बिगड़ी और 2 सितंबर को उसकी मौत हो गई। इसके बाद बच्चों की किडनी खराब होने का सिलसिला चल पड़ा। लगातार बच्चे बीमार होते रहे और उनकी मौतों की कतार लग गई है। इस जहरीले सिरप से अब 19 वच्चों की मौत हो गई है। मध्य प्रदेश के उपमुख्यमंत्री और मध्य प्रदेश के स्वस्थ्य मंत्री राजेंद्र शुक्ल बुधवार को 1:30 बजे उमरेठ के रिधोरा पहुंचे। किडनी फेल होने से मृत बच्चों के परिजनों से उन्होंने चर्चा की। संवेदनाएं व्यक्त करने के बाद उन्होंने कहा की परिजनों से मिलकर उन्होंने संवेदनाएं व्यक्त की है। एक महीने तक बच्चे ने जिंदगी और मौत से संघर्ष किया। इस दौरान जो भी व्यय हुआ है उसके लिए निर्देश दिए गए है। उमरेड के रिधोरा के कापिल पवार के पुत्र वेदाश पवार की मगलवार की मौत हो गई थी. नागपुर में पोस्टमार्टम के बाद बुधवार को अंतिम संस्कार किया गया। इसके बाद प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री राजेंद्र शुक्ल उनके निवास पर पहुंचे जिले के सांसद विवेक बंटी साहू, पूर्व विधायक ताराचंद बावरिया, ज्योति डेहरिया और भाजपा से जुड़े लोग इस दौरान उपस्थित रहे। स्वास्थ्य मंत्री ने परिवार से सभी बातों पर चर्चा की। इस वध के दौरान उन्होंने जहरीले कफ सिरप की घर में मौजूद बोतल।

रिधोरा पहुंचे प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री राजेंद्र शुक्ल

सिरप से किडनी फेल होने से मृत बच्चों के परिजनों से मुलाकात कीको बुलाकर देखा। एसडीएम को निर्देश दिए की सभी आशा कार्यकताओं और जमीनी कार्यकताओं को गांद में भेजकर जिन भी लोगों के पास इस प्रतिबंध सिरप की बोतले घर में है उसे जाम किया जाए। परिजनों को एक पंचनामा बनाकर दिया जाए कि उनके घर से बोतल जात हुई है। उन्होंने बताया की नागपुर में जिन पांच लोगों के परिजनों से वह मिले हैं सभी के घर में अभी भी कफ सिरप मौजूद है। स्वास्थ मंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि कई बच्चों को हम बचा नहीं पाए उनके प्रति हमारी संवेदना है जो बच्चे अस्पताल में भती है उनके उपचार के लिए मुख्यमंत्री जी ने सभी अस्पतालों को निर्देश दिया है की उनसे व्यय की मांगना की जाए प्रदेश सरकार का भुगतान करेगी रिधौरा के बाद स्वास्थ्य मंत्री मोरडोंगरी डूडडी और तामिया पहुंचे। इससे पहले उन्होंने किडनी फेल होने से मृत बच्चे चंचलेश पवार के परिजनों से मुलाकात की।

ये हड़ताल का नही सहयोग का वक्त है

स्वास्थ्य मंत्री राजेंद्र शुक्ला ने इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के पदाधिकारियों से बात की। सर्किट हाउस में हुई मुलाकात में श्री शुक्ला ने कहा कि डॉक्टरों का ऐसे समय में हडताल पर जाना ठीक नहीं है। बातचीत के बाद इंडियन मेडिकल एसोसिएशन ने हड़ताल खत्म करने पर विचार करने का आश्वासन दिया।

छिंदवाड़ा में उपमुख्यमंत्री व स्वास्थ्य मंत्री का दौरा

राजेंद्र शुक्ला ने औषधी विक्रेता संघ से मुलाकात की। श्री शुक्ला ने औषधी विक्रेता संघ की समस्याओं को सुना और कहा कि दवाओं की जांच के दौरान सभी व्यापारी सहयोग करें। साथ ही यह आश्वासन दिया कि व्यापारियों के सहयोग से ही कारणों का सही विशेषण होस्वास्थ्य मंत्री राजेंद्र शुक्ला ने कलेक्ट्रेट में जनप्रतिनिधियों व प्रशासनिक अधिकारियों की बैठ्या ली और मेडिकल कॉलेज का निरीक्षण किया। उन्होंने मेडिकल की आपतकालीन व्यवस्थाओं को देखकर आने वाले समय में अलर्ट रहने को कहा। साथ ही सभी को हाई अलर्ट पर रहने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यह समय हड़ताल आदि का नहीं है।प्रदेश के उपमुख्यमंत्री श्री शुक्ला ने छिंदवाड़ा में जहरीला सिरप पीकर जान गवाने वाले बच्चों के परिवारों से मुलाकात की। दोपहर बाद वे परासिया के सिविल अस्पताल पहुंचे और निरीक्षण किया।

धानी के परिजनों से मिलने पहुंचे स्वास्थ मंत्री राजेन्द्र शुक्ल

तामिया। कोलड्रिफ़ सिरफ से हुई नन्ही धानी की मौत के बाद परिजनों से मिलने उनके निवास पर डिप्टी सीएम (स्वास्थ मंत्री) राजेंद्र शुक्ल परिजनों से मिले उन्हें हर संभव मदद का भरोसा दिलाया। किडनी फेल होने से मृत डेढ़ वर्षीय नन्ही धानी पिता नवीन डेहरिया के परिजनों से मिलने प्रदेश के उप मुख्यमंत्री एंव स्वास्थ मंत्री राजेन्द्र शुक्ल तामिया के जुन्नारदेव रोड स्थित भरियाढाना पहुंचे उनके साथ जिले के सांसद विवेक साहू सहित अन्य शामिल थे। तामिया निवासी नवीन डेहरिया ने 15 दिन पहले परासिया में डॉ प्रवीण सोनी के निजी क्लिनिक में अपनी डेढ़ वर्षीय बालिका धानी का उपचार कराया था। रविवार को पीएम के बाद नागपुर से शव लाने के बाद मंगलवार रात्री में मृत बालिका धानी का अंतिम संस्कार हुआ। परिजनों से बातचीत करते हुए स्वास्थ मंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि बच्ची को खोने के दुख में पूरी सरकार आपके साथ है। सरकार ने दवा कंपनी पर कार्यवाही शुरू कर दी है उन्होंने 4 लाख की सहायता के अतिरिक्त उपचार के दौरान खर्च राशि के लिए निर्देश दिए संबंधित अधिकारी ने बताया कि 1 लाख की राशि दी गई है शेष का प्रकरण बना रहे है। नवीन डेहरिया ने बताया कि मेरी बेटी धानी की भले मृत्यु हो गई लेकिन अब दूसरी बेटियों की ऐसे मौत नही होनी चाहिए। स्वास्थ मंत्री श्री शुक्ल ने बीएमओ को स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए निर्देशित किया । उल्लेखनीय है कि स्वास्थ्य मंत्री श्री शुक्ल के आने से पूर्व मंगलवार रात्री में बीएमओ ने रोगी कल्याण समिति के माध्यम से 5700/- एंबुलेंस किराया का भुगतान कराया।

मेडिकल स्टोर्स की जांच, मोनू मेडिकल सील, मिली एक्सपायरी दवाईयां

पांढुर्ना। आज कलेक्टर नीरज कुमार वशिष्ठ के निर्देश पर एसडीएम अलका एक्का और बीएमओ दीपेंद्र सलामे के दल ने शहर के मेडिकल स्टोर्स का आकस्मिक निरीक्षण किया। कारवाई के दौरान गुजरी बाजार स्थित मोनू मेडिकल स्टोर्स को लाइसेंस नहीं होने के कारण सील कर दिया गया। निरीक्षण के दौरान गुजरी स्थित नरेंद्र मेडिकल से यूरोजोन और स्थलीन नामक दो कफ सिरप जो एक्सपायर हो चुके थे जब्त कर लिए गए। ज्ञात हो कि मोनू मेडिकल स्टोर्स का लाइसेंस एक साल पहले ही एक्सपायर हो चुका था।

अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश, परासिया ने डॉ. प्रवीण सोनी की जमानत अर्जी खारिज

स्थानीय अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश (एएसजे) के न्यायालय से डॉक्टर प्रवीण सोनी को कोई राहत नहीं मिली है। किडनी रोग के उपचार से जुड़े एक अत्यंत गंभीर और संवेदनशील मामले में गिरफ्तार डॉ. सोनी की जमानत याचिका को न्यायालय ने खारिज कर दिया है। इस फैसले के बाद, डॉ. सोनी को अभी जेल में ही रहना होगा।गंभीर आरोप और मामलाडॉ. प्रवीण सोनी पर किडनी रोग के उपचार के दौरान हुई बच्चों की मृत्यु से संबंधित गंभीर आरोप लगे हैं। सूत्रों के अनुसार, यह मामला स्वास्थ्य सेवाओं में लापरवाही और अनियमितताओं से जुड़ा हुआ है, जिसके कारण कई परिवारों को अपूरणीय क्षति हुई है। अभियोजन पक्ष ने न्यायालय के समक्ष यह दलील दी कि मामले की संवेदनशीलता और आरोपों की गंभीरता को देखते हुए, आरोपी को जमानत देने से पीड़ितों के साथ न्याय प्रभावित हो सकता है।न्यायालय का सख्त रुखन्यायालय ने मामले की गहनता, बच्चों की मृत्यु जैसे संवेदनशील बिंदुओं और पुलिस द्वारा पेश किए गए साक्ष्यों पर विचार किया। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश ने टिप्पणी की कि वर्तमान साक्ष्यों और आरोपों की प्रकृति को देखते हुए, डॉ. सोनी को जमानत पर रिहा करना उचित नहीं होगा। न्यायालय ने इस बात पर बल दिया कि इस तरह के गंभीर मामलों में त्वरित और निष्पक्ष न्याय सुनिश्चित करना आवश्यक है।आगे की कानूनी प्रक्रियाजमानत याचिका खारिज होने के बाद, डॉ. प्रवीण सोनी के पास अब कानूनी तौर पर केवल माननीय उच्च न्यायालय (हाई कोर्ट) में इस फैसले को चुनौती देने का विकल्प शेष है। न्यायिक प्रक्रिया के तहत अब मामले की सुनवाई निचले न्यायालय में जारी रहेगी, जबकि डॉ. सोनी न्यायिक हिरासत में रहेंगे।

आज सीएम और प्रदेशाध्यक्ष के साथ नागपुर जाएंगे सांसद

छिन्दवाड़ा। बीमार बच्चों से मिलने के लिए आज 9 अक्टुबर को मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव और भाजपा प्रदेशाध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल के साथ सांसद बंटी विवेक साहू नागपुर जायेंगे। वे नागपुर के शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय, एम्स और न्यू हेल्थ सिटी हॉस्पिटल में जाकर उपचार प्राप्त कर रहे बच्चों की स्वास्थ्य स्थिति की जानकारी लेंगे और चिकित्सकों से विस्तृत चर्चा भी करेंगे। सांसद श्री साहू ने बताया कि प्रदेश सरकार ने नागपुर के चिकित्सकों को निर्देश दिए कि बच्चों को सर्वोत्तम चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराई जाये। उन्होंने कहा कि बच्चों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ के लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे

अस्पताल में सुविधा उपलब्ध कराने हेतु डिप्टी सी एम को सौंपा मांग पत्र

परासिया : परासिया क्षेत्र में दूषित कफ सिरप से बीमार हुए सैकड़ों बच्चों के उपचार हेतु शासकीय चिकित्सालय में सर्वसुविधायुक्त बाल - चिकित्सा वार्ड की स्थापना की मांग को लेकर आज स्थानीय भाजपा जनप्रतिनिधियों ने मध्य प्रदेश शासन के उपमुख्यमंत्री एवं स्वास्थ्य मंत्री राजेंद्र शुक्ल को मांग पत्र सौंपा गया । यह मांग पत्र जिला योजना समिति के सदस्य एवं नगर पालिका परिषद परासिया के पार्षद अनुज शंकरलाल पाटकर, जिला पंचायत सदस्य श्री अरुण यदुवंशी एवं वार्ड पार्षद पवन सूर्यवंशी के द्वारा सौंपा गया । इस दौरान भाजपा नेता शम्मी बत्रा भी विशेष रूप से उपस्थित रहे ।जनप्रतिनिधियों ने कहा , कि यदि परासिया शासकीय चिकित्सालय में पूर्व से ही आवश्यक स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध होतीं, तो अभिभावकों को अपने बच्चों को निजी अस्पतालों में भेजने की आवश्यकता नहीं पड़ती । इसलिए आवश्यक है , कि परासिया सिविल अस्पताल को आधुनिक संसाधनों से सुसज्जित किया जाए । जिससे क्षेत्र के प्रभावित बच्चों को स्थानीय स्तर पर ही समुचित एवं निःशुल्क उपचार मिल सके ।

नपाध्यक्ष ने भी अस्पताल के लिए मांगी सुविधाएं :- पीड़ति परिवारों से मिलने आए प्रदेश के डिप्टी सी एम और स्वास्थ्य मंत्री राजेंद्र शुक्ला से परासिया सिविल अस्पताल में सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग रखी । डिप्टी सी एम सुदूर ग्राम डुड्डी - बुड्ढी भी पहुंचे जहां वे मृतक दिव्यांश यदुवंशी के पिता प्रकाश यदुवंशी और दिव्यांश की माता से मिले उनकी पीड़ा जानी । उन्हें सांत्वना दी और मदद का भरोसा दिलाया ।

पीड़ितों से मिले नेता प्रतिपक्ष उमंग

न्यूटन / परासिया :- विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष बुधवार को किडनी फेलियर से मरने वाले बच्चों के परिजनों से मिले । वे दमुआ , जामई , बड़कुही , परासिया , न्यूटन में पीड़ति परिवारों के घर पहुंचे । परिजनों को सांत्वना दी । उन्होंने बताया की विधायक सोहन वाल्मीकि के अनशन के बाद सरकार नींद से जागी । उन्होंने यह भी कहा , कि प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी के आने की खबर सुनने के बाद मुख्यमंत्री पीड़तों से मिलने आए । उमंग सिंगार के साथ जुन्नारदेव विधायक सुनील उइके , पांढुर्ना विधायक निलेश उइके , जिला कांग्रेस अध्यक्ष विश्वनाथ ओकटे , जनपद उपाध्यक्ष जमील खान , आशीष सिकंदरपुरे , न्यूटन नगर अध्यक्ष राजेश डेहरिया , नगर पंचायत अध्यक्ष अनुपमा राय , उपाध्यक्ष संतलाल यादव , पार्षद नीरू चंदेल , रेखा डेहरिया , कविता यदुवंशी , कांग्रेस नेता अजय चंदेल , सुरेश जावरकार , अमित पुरोहित सहित बड़ी संख्या में कांग्रेसी मौजूद रहे ।

दवा विक्रेताओं ने उठाई, निर्माता कंपनी पर कड़ी करवाई की मांग

परासिया :- किडनी फेलियर से बच्चों की मौत के बाद एक और जहां पूरे देश में हड़कंप मचा हुआ है , वहीं परासिया में दवा विक्रेता और डॉक्टर्स हड़ताल पर है । दवा विक्रेताओं ने तथाकथित सिरप निर्माता कंपनी के खिलाफ कड़ी कार्यवाई की मांग रखी है , तो वहीं डॉक्टर्स ने डॉ प्रवीण सोनी की गिरफ्तारी को अनुचित बताते हुए एस डी एम को ज्ञापन सौंपा है ।बुधवार को परासिया में इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के तत्वाधान में स्थानीय डॉक्टर द्वारा एसडीएम को ज्ञापन सौंपा गया है और चिकित्सा सेवाएं बंद रखी गई । वहीं दूसरी तरफ स्थानीय दवा विक्रेताओं ने भी डॉक्टर की गिरफ्तारी का विरोध किया है । साथ ही यह भी कहा है , कि हम हमेशा से ही लोगों की सेवा में तत्पर रहते हैं । कंपनी दवा के रूप में क्या दे रही है यह ना तो हमें पता होता है और ना ही डॉक्टर को पता होता है । दवा विक्रेता संजय श्रीवास्तव और राकेश राय ने कहा , कि कोरोना काल में भी हमने अपनी जान की परवाह किए बगैर अपनी दुकाने खुली रखी और लोगों को सेवाएं दी । उन्होंने कहा , कि जो कंपनियां गलत दवाई बना रही हैं उनकी निष्पक्ष जांच होकर कार्रवाई होनी चाहिए । इधर डॉक्टर एस एस ठाकुर , चंद्र प्रकाश सिंह और मधु बत्रा का कहना है , कि कोई भी डॉक्टर कभी किसी का गलत इलाज नहीं करता है , जो दवाइयां अधिकृत होती है उन्हें ही डॉक्टर प्रिस्क्राइब करता है । दवा गलत बनकर आ रही है या सही उसके मानक की जांच करना संबंधित अधिकारियों की जवाबदारी होती है । उन्होंने डॉक्टर प्रवीण सोनी की गिरफ्तारी को गलत बताया है डॉक्टर के समर्थन में क्षेत्र के व्यापारियों ने भी रैली में हिस्सा लेकर शासन से निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है , साथ ही मृत बच्चों के प्रति संवेदना व्यक्त की । दवा विक्रेताओं ने भी मौन धारण कर श्रद्धांजलि अर्पित की ।

विषैले कफ सिरप से मासूमों की मौत पर जुन्नारदेव में फूटा जनआक्रोश

जुन्नारदेव। विषैले कफ सिरप के सेवन से हुई मासूम बच्चों की दर्दनाक और हृदयविदारक मौतों के विरोध में आज ब्लॉक कांग्रेस कमेटी जुन्नारदेव द्वारा गांधी चौक पर विशाल धरना प्रदर्शन आयोजित किया गया। इस धरने में हजारो की संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता, महिला कांग्रेस, युवा कांग्रेस, वरिष्ठ पदाधिकारी और स्थानीय नागरिक शामिल हुए।धरना प्रदर्शन एवं श्रद्धांजलि सभा में मध्यप्रदेश विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष श्री उमंग सिंगार एवं जुन्नारदेव विधायक श्री सुनील उईके मुख्य रूप से उपस्थित रहे । दोनों नेताओं की उपस्थिति में धरना स्थल पर जबरदस्त जनसमूह उमड़ा और शासन-प्रशासन के प्रति भारी आक्रोश व्यक्त किया गया।धरना समाप्ति के बाद कांग्रेस नेताओं ने महामहिम राष्ट्रपति के नाम एक ज्ञापन अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) जुन्नारदेव को सौंपा, जिसमें मृतक बच्चों के परिवारों को मुआवजा, दोषियों पर कठोर कार्रवाई, और विषैले दवाओं की जाँच कर जिम्मेदार अधिकारियों को दंडित करने की माँग की गई। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि यह मौतें आपदा नहीं, अपराध हैं!धरना स्थल पर उपस्थित नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंगार ने कहा मासूम बच्चों की जो हृदयविदारक मौतें हो रही हैं, वे किसी प्राकृतिक आपदा का परिणाम नहीं हैं, बल्कि यह भाजपा सरकार और स्वास्थ्य मंत्रालय की आपराधिक लापरवाही का नतीजा हैं। इतने निर्दोष बच्चों की जान जाने के बाद भी सरकार चुप है, मंत्री मौन हैं । यह संवेदनहीनता नहीं, बल्कि अपराध की साझेदारी है। अगर यह सरकार जरा भी शर्म रखती है तो तुरंत स्वास्थ्य मंत्री को बर्खास्त करे और पीड़ित परिवारों को न्याय दिलाए।"वहीं विधायक सुनील उईके ने कहा कि शासन-प्रशासन जनता के जीवन से खिलवाड़ कर रहा है। बच्चों की मौतें हो रहीं हैं और सरकार अपनी छवि बचाने में लगी है। यह बेहद निंदनीय और अमानवीय है। कांग्रेस पार्टी हर उस परिवार के साथ खड़ी है जिसने अपना लाल खोया है। यह आंदोलन सिर्फ विरोध नहीं, बल्कि उन माताओं की चीख़ का प्रतीक है जिन्होंने अपने बच्चों को खोया है। जब तक दोषियों को सजा नहीं मिलती, कांग्रेस चैन से नहीं बैठेगी।"मासूमों को दी गई भावपूर्ण श्रद्धांजलिधरना स्थल पर कांग्रेसजनों ने पुष्पांजलि अर्पित कर दो मिनट का मौन धारण किया और सभी मृत मासूमों को श्रद्धांजलि अर्पित की।इस दौरान वातावरण गमगीन हो उठा, अनेक कार्यकर्ताओं की आँखें नम हो गईं। उपस्थित जनसमूह ने "मासूमों को न्याय दो, लापरवाहों को सजा दो" और "शर्म करो सरकार, बच्चों की मौतों के जिम्मेदारों को दंड दो" जैसे वक्तव्य कहे।कार्यक्रम का संचालन ब्लॉक कांग्रेस कमेटी जुन्नारदेव अध्यक्ष अरुण साहू, नगर कांग्रेस अध्यक्ष अरुणेश जयसवाल उन्होंने कहा कि धरना प्रदर्शन में मुख्य रूप से जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष विश्वनाथ ओक्ते, चोरई विधायक सुजीत चौधरी, बैतूल के जिला अध्यक्ष और पूर्व विधायक निलय डागा सहित हजारो की संख्या में कांग्रेसजन, महिला संगठन, युवा कार्यकर्ता और आम नागरिक उपस्थित रहे।अंत में ज्ञापन सौंपते हुए कांग्रेस नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने शीघ्र कार्रवाई नहीं की, तो कांग्रेस प्रदेशव्यापी आंदोलन करेगी।

मानवता को शर्मसार कर देने वाली घटना

महिला को साड़ी से बांधकर मोटर साइकिल से घसीटा

मैहर।

मैहर थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम गोरैइया खुर्द (कुटाई) में 6 अक्टूबर को शाम करीब 4 बजे मानवता को झकझोर देने वाली वारदात सामने आई है।

लगभग 45से 50वर्ष की महिला आशा केवट को उसके ही देवरानी के लड़के बंकट केवट ने मोटरसाइकिल पर साड़ी से हाथ बांधकर करीब आधा किलोमीटर दूर तक घसीटा। घायल महिला को गंभीर अवस्था में एंबुलेंस से मैहर सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है,जहां उनका उपचार चल रहा है।

क्या है मामला?

घायल महिला आशा केवट ने बताया कि उनके बेटे के साथ बंकट केवट ने मारपीट की थी। जब वह बंकट की मां से शिकायत करने गईं तो उनकी देवरानी अपने बेटे का पक्ष लेकर लड़ने लगी। इतने में बंकट केवट आया,उन्हें जोर से लात मारकर गिरा दिया और फिर साड़ी से हाथ बांधकर मोटरसाइकिल से घसीटने लगा। वह चिल्लाती रहीं,लेकिन बंकट केवट को दया नहीं आई और वह बेहोश हो गईं। आशा केवट के पुत्र पिंकू केवट ने बताया कि चाचा का लड़का बंकट केवट पूर्व में उनके घर में चोरी करने के संबंध में घुसा था,जिसे लेकर रंजिश थी। 6 अक्टूबर को दोपहर में बंकट ने पिंकू से मारपीट की थी,जिसकी रिपोर्ट उन्होंने थाने में दर्ज कराई थी। शाम को जब वह घर लौटे,तो मां को घायल अवस्था में पाया। पिंकू ने बताया कि बंकट ने उनकी मां को गाली दी,लात मारकर गिराया और फिर हाथ बांधकर घसीटा। बंकट ने यह भी धमकी दी कि अगर दोबारा दिखे या विवाद किया,तो जान से खत्म कर देगा। मारपीट से आशा केवट के दोनों पैर और बदन में चोटें आई हैं। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

शहडोल मेडिकल कॉलेज में लापरवाही का ज़हर

ऑपरेशन से पहले लगा सॉल्यूशन अब झुलसा रहा मरीजों की स्किन!

प्रबंधन आंकड़ों की बाजीगरी में व्यस्त, खरीदी और जांच प्रक्रिया पर पर्दा डालने की कोशिश

महीने में 30 से 40 केस, फिर भी सब ठीक का दावा!

शहडोल। संभाग मुख्यालय के मेडिकल कॉलेज अस्पताल में स्वास्थ्य तंत्र की एक और शर्मनाक तस्वीर सामने आई है। ऑपरेशन से पहले संक्रमण से बचाव के लिए लगाए जाने वाले एंटीसेप्टिक सॉल्यूशन से मरीजों की स्किन झुलस रही है, फफोले पड़ रहे हैं और घाव बन रहे हैं। लेकिन मेडिकल कॉलेज प्रबंधन है कि लापरवाही पर परदा डालने में जुटा है। डीन का कहना है कि यह मामूली एलर्जी थी, लेकिन वार्डों में भर्ती मरीजों की हालत और उनके परिजनों के दर्द भरे बयान कुछ और ही कहानी कह रहे हैं। अस्पताल के सूत्रों की मानें तो महीने भर में करीब 30 से 40 मरीजों को इस सॉल्यूशन के उपयोग के बाद स्किन रिएक्शन हुआ है। कई प्रसूताओं के शरीर पर फफोले पड़ गए हैं, जिनसे रिसाव और जलन लगातार बनी हुई है। इन मरीजों का इलाज तो जारी है, लेकिन अस्पताल की कार्यशैली सवालों के घेरे में है, आखिर जांच रिपोर्ट क्यों दबाई जा रही है और खरीदी से जुड़ी जानकारी क्यों छिपाई जा रही है?

एक ही बैच से फैला रासायनिक जहर

खबर है कि सभी प्रभावित मरीजों पर एक ही बैच के सॉल्यूशन का उपयोग किया गया था। उस बैच को अब वापस ले लिया गया है, लेकिन सवाल यह है कि क्या उस सॉल्यूशन का उपयोग शुरू करने से पहले उसकी उपयोगिता प्रमाण पत्र और टेस्टिंग रिपोर्ट जांची गई थी या नहीं? ड्रग कंट्रोलर को रिपोर्ट भेजने का दावा तो किया गया है, लेकिन अब तक यह स्पष्ट नहीं हुआ कि सॉल्यूशन में कौन सा रासायनिक घटक एलर्जी का कारण बना। डीन ने कहा यह स्पोरेडिक केस है, यानी कभी-कभी होने वाली हल्की प्रतिक्रिया, लेकिन यह बयान तब और संदिग्ध लगता है जब हर हफ्ते 10 से ज्यादा केस सामने आने लगे हैं। सवाल उठता है कि क्या यह कभी-कभी है या फिर लगातार होने वाली लापरवाही?

प्रबंधन के आंकड़े बनाम ज़मीन की हकीकत

डीन का दावा है कि सालभर में करीब 5 हजार मरीजों पर यह सॉल्यूशन लगाया गया और केवल 10-12 को हल्की एलर्जी हुई, लेकिन मेडिकल कॉलेज के भीतर की स्थिति इससे बिल्कुल उलट है। नर्सिंग स्टाफ और कुछ चिकित्सकों का कहना है कि केवल पिछले दो महीनों में ही तीन दर्जन से ज्यादा मरीजों को स्किन रिएक्शन हुआ है। फिर सवाल यह भी उठता है कि अगर मामला मामूली था तो इतने मरीज अब भी भर्ती क्यों हैं? स्थानीय सूत्रों ने खुलासा किया है कि प्रबंधन ने पूरे विभाग को चुप रहने के मौखिक निर्देश दिए हैं। डॉक्टरों और कर्मचारियों से कहा गया है कि मीडिया से कुछ न कहें, मामले को बढ़ावा न दें। वहीं सॉल्यूशन खरीदी से जुड़ी फाइलें भी गायब बताई जा रही हैं।

खरीदी प्रक्रिया पर उठ रहे सवाल

मेडिकल कॉलेज प्रबंधन यह बताने से बच रहा है कि यह सॉल्यूशन किस कंपनी से खरीदा गया, उसका सप्लायर कौन है और क्या मेडिकल स्टोर वेंडर ने वैध टेस्टिंग रिपोर्ट दी थी। सूत्र बताते हैं कि मेडिकल कॉलेज में एंटीसेप्टिक, ड्रेसिंग सामग्री और सर्जिकल दवाओं की खरीद अक्सर स्थानीय ठेकेदारों के माध्यम से बिना गहन जांच के की जाती है। इस बार भी ऐसा ही हुआ प्रतीत होता है, जहां सबसे सस्ता सामान खरीदने के नाम पर मरीजों की त्वचा दांव पर लगा दी गई।वार्डों में भर्ती कई महिलाओं ने बताया कि उन्हें प्रसव के आठ-दस दिन बाद स्किन पर लाल चकत्ते और फफोले हुए।

लोक निर्माण मंत्री ने वीयू में किया राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन

ग्रामीण आजीविका की रक्षा में पशु चिकित्सकों की महत्वपूर्ण भूमिका

जबलपुर।

नानाजी देशमुख पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय (एन.डी.वी.एस.यू.), जबलपुर, मध्यप्रदेश के पशु चिकित्सा विज्ञान एवं पशुपालन महाविद्यालय में "पशु आंतरिक एवं रोग निरोधक चिकित्सा विषयक छठा वार्षिक अधिवेशन – 2025"एवं तीन दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन मुख्य अतिथि लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह, विशिष्ट अतिथि लखन पटेल, पशु पालन एवं डेयरी मंत्री तथा कार्यक्रम के अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलगुरु डॉ. मंदीप शर्मा , आयोजक अधिष्ठाता डॉ आरके शर्मा, आयोजन सचिव डॉ देवेंद्र गुप्ता, वीआईपीएम के अध्यक्ष डॉ एयू भीकाने तथा वीआईपीएम के सचिव डॉ नीलेश शर्मा की उपस्थिति में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मंचासीन अतिथियों द्वारा मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं वंदन से हुआ, तत्पश्चात अतिथियों का स्वागत पुष्प गुच्छ ,अंग वस्त्र एवं स्मृति चिन्ह देकर किया गया।

पशु चिकित्सक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे : राकेश सिंह

मुख्य अतिथि लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने इस अवसर पर पशु चिकित्सकों के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि वे ग्रामीण आजीविका की रक्षा एवं पशुधन स्वास्थ्य संवर्धन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने शैक्षणिक संस्थानों, शासन एवं उद्योगों के बीच सहयोग बढ़ाने की आवश्यकता पर बल दिया, जिससे तकनीकी नवाचार आधारित पशु स्वास्थ्य सेवा को बढ़ावा मिल सके।

पशुपालन एक अच्छा विकल्प : पटेल

विशिष्ट अतिथि पशु पालन मंत्री लखन पटेल ने नवाचार एवं शिक्षा की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कहा कि युवा पशु चिकित्सकों को आधुनिक वैज्ञानिक तकनीकों को अपनाकर पशु उत्पादन एवं कल्याण के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित करने चाहिए।उन्होंने कहा कि किसानों की आय दुगनी करने के लिए पशुपालन एक बहुत अच्छा विकल्प है उन्होंने पशुपालन विभाग की पशुपालकों हेतु चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं से अवगत कराया।

पशु रोगों से निपटने अनुसंधान आवश्यक : प्रो.शर्मा

अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कुलगुरु प्रो मनदीप शर्मा ने कहा कि उभरते और पुनः उभरते पशु रोगों से निपटने के लिए पशु चिकित्सा अनुसंधान एवं व्यवहार में कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डेटा विश्लेषण एवं उन्नत तकनीकों का समावेश अत्यंत आवश्यक है।उन्होंने इस सम्मेलन के विषयों को आज के परिवेश के लिए उपयुक्त बताते हुए कहा कि आज सम्मेलन में विभिन्न राज्यों से वैज्ञानिक आए हुए हैं निःसंदेह सभी अपने-अपने जगह पर हो रहे रिसर्च कार्य को आपस में साझा करेंगे और क्लाइमेट चेंज की चुनौतियों को निपटाने के लिए कोई हाल अवश्य ही निकलेगा। इस अधिवेशन में देशभर के विभिन्न राज्यों से 400 शोधार्थी, वैज्ञानिक, शिक्षक एवं विशेषज्ञ भाग ले रहे हैं, जो पशु आंतरिक एवं रोग निरोधक चिकित्सा में हो रहे नवीन अनुसंधान एवं तकनीकी प्रगति पर अपने विचार साझा करेंगे। वीआईपीएम लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड सेवा निवृत्त प्रोफेसर एंड हेड डॉ पी के शुक्ला को दिया गया। वीआईपीएम फैलोशिप 2025 अवार्ड डा एम चंद्रशेखर चेन्नई, वीआईपीएम एसोसिएट फैलोशिप 2025डॉ अनिल कुमार पटना बिहार ,तीन वीआईपीएम गोल्ड मेडल दिए गए जिसमें स्टीफन एक्टिंगर गोल्ड मेडल केनाइन मेडिसिन के लिए डॉ पंकज भानु दास मुंबई वेटरनरी कॉलेज महाराष्ट्र, थॉमस गौरडन हंगरफॉरड गोल्ड मेडल बोवाइन मेडिसिन 2025 डॉ विजय कुमार परमार कामधेनु यूनिवर्सिटी गुजरात, हेलिन गोल्ड मेडल डॉ आशीष श्रीवास्तव मथुरा को दिया गया।वीआईपीएम अप्रिशिएसन अवार्ड 2025 डॉ शशि प्रधान जबलपुर ,डॉ मनोहर सेन बीकानेर, डॉ आलोक सिंह अयोध्या, डॉ आदित्य प्रताप जबलपुर को दिया गया।

सीजेआई गवई का अपमान करने वाले अधिवक्ता पर मामला दर्ज हो

गढ़ा गोंडवाना संरक्षण संघ ने राष्ट्रपति, रजिस्ट्रार, प्रधानमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

जबलपुर। गढ़ा गोंडवाना संरक्षण संघ संभाग जबलपुर द्वारा एक ज्ञापन कलेक्टर जबलपुर के माध्यम से राष्ट्रपति, रजिस्ट्रार उच्चतम न्यायालय एवं प्रधानमंत्री के नाम सौंपा गया। ज्ञापन में मांग की गई कि 06 अक्टूबर को उच्चतम न्यायालय के मुख्य न्यायाधिपति बीआर गवई के न्यायालय में अधिवक्ता राकेश किशोर द्वारा उनके ऊपर जूता फेंकने का प्रयास कर शासकीय कार्य में बाधा डाली गई अतः मामला पंजीबद्ध किया जाए, वहीं ग्वालियर जिले के अधिवक्ता अनिल मिश्रा द्वारा बाबा साहब भीमराव आम्बेडकर पर अशोभनीय टिप्पणी करने व न्यायालय के आदेश के बावजूद वैमनस्यता फैलाने वालों पर रासुअ का मामला दर्ज किया जाए। ज्ञापन के दौरान संभागीय अध्यक्ष किशोरीलाल भलावी, बालकिशन चौधरी, नेमसिंह मरकाम, उत्तम सिंह ताराम, गयाप्रसाद धुर्वे, गोपी चौधरी, नोखेलाल बरकड़े, अजय झारिया, दिशा इनवाती, अंजना इनवाती, डीएल कोरचे, एड. सम्यक बौद्ध, एड. सूरज चौधरी सहित अन्य उपस्थित रहे।

छिंदवाड़ा सिरप कांड पर सपा का विरोध, स्वास्थ्य मंत्री के पोस्टर जलाए

जबलपुर। छिंदवाड़ा में सिरप से बच्चों की मौत के विरोध में समाजवादी पार्टी ने जबलपुर के मालवीय चौक पर प्रदर्शन किया। कार्यकर्ताओं ने प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री राजेंद्र शुक्ल के पोस्टर जमीन पर चिपकाकर जलाए और इस्तीफे की मांग की। सपा प्रदेश सचिव आशीष मिश्रा ने कहा कि प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था पूरी तरह चरमरा चुकी है और आम जनता का भरोसा उठ चुका है। उन्होंने बताया कि गंभीर हालत में बच्चे भी नागपुर में इलाज करवा रहे हैं, जिससे मध्यप्रदेश की चिकित्सा व्यवस्था की हकीकत सामने आती है। प्रदर्शन के दौरान सपा नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि मंत्री ने इस्तीफा नहीं दिया, तो जबलपुर में उनका पिंडदान किया जाएगा। इस दौरान आशीष मिश्रा, कमलेश पटेल, दिनेश चंद्र यादव, राजेंद्र पटेल सहित कई पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सफाई कर्मियों ने आश्वासन के बाद कामबंद हड़ताल वापस ली

जबलपुर। पूर्व पार्षद राजेश यादव ने बताया कि सफाई कर्मचारियों को विगत तीन माह का वेतन नहीं मिलने के कारण आज रांझी जोन के सभी वार्डों में कामबंद करके मस्ताना चौक में एकत्रित होकर रैली निकालकर दर्शन सिंह तिराहा पर निगम प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की गई। इस दौरान सभी सफाई कर्मचारी तिराहा पर कचरा फेंककर धरना पर बैठ गए। मौके पर थाना प्रभारी रांझी, सीएसपी रांझी, तहसीलदार रांझी, एड. कमिश्नर ब्रह्मानंद वाजपेयी, स्वास्थ्य अधिकारी अंकिता बर्मन आदि अधिकारी उपस्थित हुए और धरना समाप्त करने की बात कही, तो पूर्व पार्षद राजेश यादव की अधिकारियों से बहस हो गई और बिना वेतन के धरना समाप्त नहीं करने की बात कही गई और नारेबाजी की गई कि जब तक वेतन का निराकरण नहीं किया जाता तब तक धरने से नहीं उठेंगे। दोपहर 01 बजे तक चले धरने में पुनः सभी अधिकारी मौके पर पहुंचे और आश्वासन दिया कि शनिवार को एक माह और दीपावली के पहले एक माह का वेतन दिया जाएगा, तो सभी कर्मचारियों ने लिखित में देने कहा जिस पर सीएसआई अनिल मिश्रा द्वारा लिखित में आश्वासन दिया गया कि शनिवार एवं दीपावली के पूर्व दो माह का वेतन दिया जाएगा, इस बात पर धरना समाप्त किया गया। इस प्रदर्शन में पूर्व पार्षद राजेश यादव, एड. राजेन्द्र मिश्रा, राजीत यादव, महेश, अनिल सोनकर, अनिल मिश्रा, निर्मलचंद जैन, जग्गोबाई, राजकुमार सहित बड़ी संख्या में कर्मचारी उपस्थित रहे।

अ.भा.रा.शै.म. का 9वाँ अधिवेशन जयपुर में सम्पन्न

जबलपुर।

जयपुर में अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ का तीन दिवसीय 9वाँ राष्ट्रीय अधिवेशन सम्पन्न हुआ। जबलपुर से मध्यप्रदेश शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष आशीष तिवारी सहित कई पदाधिकारियों ने भाग लिया। अधिवेशन का उद्घाटन राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा व RSS पदाधिकारियों की उपस्थिति में हुआ। मप्र शिक्षक संघ के महामंत्री राकेश गुप्ता ने शिक्षक हितों से जुड़े मुद्दे जैसे पुरानी पेंशन बहाली, नियुक्ति तिथि से वरिष्ठता, TET अनिवार्यता समाप्ति आदि पर प्रस्ताव रखे, जिन्हें सर्वसम्मति से पारित किया गया। संत अवधेशानंद गिरि जी ने गुरू के महत्व पर प्रकाश डाला, वहीं सांसद सुदांशु त्रिवेदी ने "राष्ट्रीय सुरक्षाः सीमा से समाज तक" विषय पर व्याख्यान दिया।

डॉ. उमा वी.पी. श्रीवास्तव डी.लिट. उपाधि से सम्मानित

जबलपुर। जबलपुर नगर के लिए यह गर्व की बात है कि डॉ. उमा वी.पी. श्रीवास्तव, जो डॉ. वी.पी. श्रीवास्तव एवं बेला श्रीवास्तव की सुपुत्री हैं, को वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय जौनपुर द्वारा 6 अक्टूबर 2025 को प्रबंधन संकाय में सर्वोच्च शैक्षणिक उपाधि डी.लिट. (डॉक्टर ऑफ लिटरेचर) से सम्मानित किया गया है। यह उपाधि राज्यपाल आनंदीबेन पटेल द्वारा उच्च शिक्षा मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय, राज्य मंत्री (उच्च शिक्षा) रजनी तिवारी तथा कुलपति प्रो. वंदना सिंह की उपस्थिति में प्रदान की गई।उनका शोध कार्य "अतिथि सत्कार सुविधाओं के विशेष संदर्भ में वन्यजीव पर्यटन की समस्याओं एवं संभावनाओं का एक समीक्षात्मक अध्ययन" विषय पर आधारित है। यह अध्ययन प्रो. मनस पांडे (वी.वी.एस.पी.यू., जौनपुर) के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ है। वे डॉ. जितेन्द्र की पत्नी एवं वसुधा की माता हैं।

वाल्मीकि समाज ने श्रद्धा, उत्साह से मनाई महर्षि वाल्मीकि जयंती

जबलपुर।

वाल्मीकि समाज जबलपुर द्वारा संस्कृति थिएटर, भंवरताल गार्डन में महर्षि वाल्मीकि जयंती का भव्य एवं ऐतिहासिक आयोजन श्रद्धा और उल्लास के साथ सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ रामायण पाठ एवं दीप प्रज्वलन से हुआ, जिसमें समाज के सैकड़ों बंधु सपरिवार सम्मिलित हुए। दीप प्रज्वलन अशोक रोहाणी (विधायक, जबलपुर) द्वारा किया गया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि रिंकू विज (अध्यक्ष, नगर निगम जबलपुर) एवं सोनू बचवानी की उपस्थिति ने समारोह की गरिमा को और बढ़ाया। रामायण पर आधारित नृत्य की शानदार प्रस्तुति से प्रभावित होकर अशोक रोहाणी ने प्रत्येक बच्चे को 2000 रुपये की राशि विधायक निधि से प्रदान करने की घोषणा की, जिससे बच्चों और अभिभावकों में अत्यंत उत्साह का माहौल बना। इस अवसर पर वर्ष 2025 में प्रथम श्रेणी से उत्तीर्ण विद्यार्थियों, समाजसेवियों, शिक्षकों, पुलिस कर्मियों एवं सेवानिवृत्त सैनिकों को समाज की ओर से सम्मानित किया गया। समाज के बच्चों ने गीत, नृत्य, कविताएँ और धार्मिक प्रस्तुतियाँ देकर सभी का मन मोह लिया। इस अवसर पर अध्यक्ष रूपकिशोर चौहान, दिनेश मछंदर, राजेंद्र पथरोल, बलराम सपेरा, गोविंद डागोर, धर्मदास बघेल, राजेश मट्टू, जीत सिंह महरौलिया सहित अनेक गणमान्य सामाजिकजन उपस्थित रहे।

सैकड़ों सामाजिकजन हुए शामिल

समिति अध्यक्ष पद पर पुनः महंत आशीष दास

जबलपुर। मध्य प्रदेश की प्रमुख समाजसेवी संस्था श्री राम जानकी जन कल्याण समिति सोसायटी, गुरदा सुहागी, थाना आधारताल, जिला जबलपुर की आम बैठक में सर्वसम्मति से महंत आशीष दास को पुनः संस्था का अध्यक्ष चुना गया। महंत आशीष दास ने जानकारी देते हुए बताया कि यह संस्था सरकारी नियमों के अंतर्गत विधिवत कार्यरत है।

गरीब नवाज कमेटी ने कराया अंतिम संस्कार

खंडहरनुमा भवन में 6 दिन से मृत पड़ा था हरीश नायडू

जबलपुर।

गुप्तेश्वर कृपाल चौक मदन महल स्थित द्वारका मिश्रा के मकान के बाजू में पिछले छह दिनों से एक खंडहरनुमा भवन में हरीश नायडू उम्र 42 वर्ष की दुर्गंध मारती लाश पड़ी थी, असहनीय दुर्गंध की सूचना मोहल्ले के लोगों ने गढ़ा पुलिस को दी तो घटना का खुलासा हुआ। घटना की जानकारी जब पुलिस ने मृतक के परिजनों को बताई तो मृतक की भाभी एड. सुनंदा नायडू ने गरीब नवाज कमेटी को सूचना दी। कमेटी के सदस्यों ने बताया कि मृतक की लाश इतनी सड़-गल गई थी कि कोई पास आने तैयार नहीं था। सूचना पर पहुंचे गरीब नवाज कमेटी सदस्यों ने प्रशासनिक प्रक्रिया के बाद मृतक का अंतिम संस्कार रानीताल मुक्तिधाम में किया। इस कार्य में मानवीय संवेदना दिखाते हुए कमेटी के आसिफ खान, अरबाज खान, मुशाहिद मंसूरी, अबरार खान, दीपक निगम, वसीम मंसूरी, मो. करीम मंसूरी ने सहयोग दिया।

एमपी फार्मासिस्ट एसोसिएशन ने कमिश्नर को सौंपा ज्ञापन

छिंदवाड़ा की दर्दनाक घटना को लेकर ड्रग विभाग पर उठाए सवाल

जबलपुर।

मध्य प्रदेश फार्मासिस्ट एसोसिएशन (MPPA) जबलपुर टीम द्वारा आज कमिश्नर महोदय को एक ज्ञापन सौंपा गया। यह ज्ञापन छिंदवाड़ा जिले में हाल ही में घटित हृदय विदारक घटना के संदर्भ में दिया गया है, जिसमें अब तक 19 मासूम बच्चों की असमय मृत्यु हो चुकी है।एसोसिएशन ने इस घटना को एक "जघन्य हत्याकांड करार देते हुए इसकी पूरी जिम्मेदारी ड्रग विभाग पर डाली है। ज्ञापन में उल्लेख किया गया है कि जिले में बड़ी संख्या में मेडिकल स्टोर्स बिना फार्मासिस्ट के संचालित हो रहे हैं, जिससे अयोग्य व्यक्तियों द्वारा दवाओं का क्रय-विक्रय किया जा रहा है। यह न केवल मेडिकल नियमों का उल्लंघन है, बल्कि जनता की जान से सीधा खिलवाड़ भी है।ज्ञापन की प्रमुख मांगें: प्रत्येक दवा दुकान पर फार्मासिस्ट की अनिवार्य उपस्थिति सुनिश्चित की जाए। "जहाँ दवा, वहाँ फार्मासिस्ट" की नीति लागू हो। दवा वितरण में मोनोपॉली समाप्त की जाए, जिससे आम जनता को उचित मूल्य पर सही दवाएं मिल सकें। ड्रग विभाग में व्याप्त लापरवाही और संभावित भ्रष्टाचार की जांच कर कड़ी कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। ज्ञापन सौंपने वालों में MPPA जबलपुर टीम के प्रमुख सदस्य अमित, अशोक, अभिषेक, धर्माधिकारी, आशीष एवं अभिजीत शामिल थे।

अबॉक्स एवं संयुक्त पिछड़ा वर्ग मोर्चा ने राष्ट्रपति के नाम सौंपा ज्ञापन

जबलपुर। अबॉक्स एवं संयुक्त पिछड़ा वर्ग मोर्चा द्वारा अम्बेडकर चौक पर चार सूत्रीय मांगों को लेकर प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शन के पश्चात महामहिम राष्ट्रपति के नाम एक ज्ञापन एसडीएम को सौंपा गया।ज्ञापन में मुख्य रूप से सुप्रीम कोर्ट के प्रधान न्यायाधीश बी.आर. गवई पर अधिवक्ता द्वारा जूता फेंकने की घटना को षड्यंत्र बताया गया और दोषी पर सख्त कार्रवाई की मांग की गई। साथ ही लद्दाख के गांधीवादी कार्यकर्ता सोनम बागचुंग पर एनएसए की कार्रवाई को दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए उनकी रिहाई की मांग की गई।इसके अतिरिक्त, ग्वालियर हाईकोर्ट के एक अधिवक्ता द्वारा डॉ. अंबेडकर के प्रति अभद्र भाषा का प्रयोग करने पर धारा 153-ए के तहत कार्रवाई की मांग की गई। वहीं, मुख्यमंत्री मोहन यादव के आरक्षण संबंधी बयान के बाद फर्जी संत आनंद स्वरूप द्वारा की गई अभद्र टिप्पणियों के खिलाफ भी सख्त कार्रवाई की माँग की गई।इस अवसर पर देवेश चौधरी, रामरतन यादव, डॉ. घनश्याम यादव, शिवनाथ चौधरी आलम, डॉ. बालमुकुंद यादव, तरुण रोहितास, धर्मेन्द्र कुशवाहा, धूमन सिंह यादव, मनोज वाघमारे, बैजनाथ पटेल, चंद्रकला वासनिक, सुनंदा बसोंनकर, सम्यक बौद्ध, सुरेश वैद्य सहित अनेक सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

In The Court Of VII District Judge, District Court, Damoh
Presiding Officer : अमर गोयल
(आदेश 5 नियम 20 व्यवहार प्रक्रिया संहिता 1908 के अन्तर्गत प्रकाशन हेतु).
(RCA/0000035/2021)
मोह. कलीम उर्फ कल्लू-3.....वादी Vs
शहादत बख्श-97 फौत..... प्रतिवादी
TID/3415/2025
Process Id- 29/2025
प्रेषिती- पेशी दिनांक :- 10/11/2025
(1) सेहरबानो पति अल्ताफ भाइ पता- ग्वाल बाबा मंदिर ग्वाल चौक रोशनपुरा भोपाल म प्र
(2) शबनम पति जाहिद उर्फ जानू पता- केला गोदाम के पीछे रफीक भाइ का मकान रददी चैक जबलपुर म प्र.
यह कि प्रार्थी मोह. कलीम उर्फ कल्लू-3 ने आपके विरूद्ध दावा वास्ते के लिए वाद संस्थित किया है, आपको इस न्यायालय में सूचना के प्रकाशन के 30 दिवस के भीतर वाद का उत्तर देने के लिये उपसंजात /हाजिर होने के लये सम्मन किया जाता है, आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर (अधिवक्ता) द्वारा उपसंजात हो सकते है, जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हो और जो इस वाद में संबंधित सभी सारवान कथनों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित कथन प्रस्तुत करें और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे या शक्ति में है पेश करें जिन पर आपका प्रतिरक्षा या मुजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित हो, और यदि आप अन्य किसी दस्तावेज पर चाहे वह आपके कब्जे या शक्ति में हो अपनी प्रतिरक्षा या के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते है तो ऐसी सभी दस्तावेज की लिखित कथन मुजरा के साथ उपलब्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्टि करें। आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप उपर बताई गई अवधि में इस न्यायालय में उपस्थित नहीं होंगे तो वाद की एक पक्षीय सुनवाई कर उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा। साथ ही यह भी सूचित किया जाता है कि यदि आप निराकरण मध्यस्थ के माध्यम से करने के इच्छुक हैं तो पीठासीन अधिकारी को अवगत करावें।
यह आज तारीख 08 October 2025 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगा कर दिया गया है।
अमर गोयल
सप्तम जिला न्यायाधीश जिला दमोह (म.प्र.)
कृपया ध्यान दें:-1. यदि किसी कारणवश उक्त तिथि को न्यायालय अवकाश पर रहेगा तो अगामी कार्यदिवस पर यह प्रकरण सुनवाई में लिया जायेगा।